प्रश्न1. दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान, यदि एक या अधिक सप्ताह तक वर्षा नहीं होती है, तो इसे मानसून में रुकावट के रूप में जाना जाता है। निम्नलिखित में से कौन सा "मानसून में रुकावट" का कारण हो सकता है?

1. उत्तर भारत में यदि मानसून गर्त के साथ वर्षा लाने वाले तूफान बहुत बार-बार नहीं आते हैं तो वर्षा विफल होने की संभावना है।

2. पूर्वी तट पर शुष्क अवधि उन दिनों से जुड़ी होती है जब हवाएँ तट के समानांतर चलती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून अवधि के दौरान कुछ दिनों तक वर्षा होने के बाद, यदि एक या अधिक सप्ताह तक वर्षा नहीं होती है, तो इसे मानसून में रुकावट के रूप में जाना जाता है। वर्षा के मौसम में ये सूखापन काफी सामान्य है।
- अलग-अलग क्षेत्रों में ये रुकावटें अलग-अलग कारणों से होती हैं:
  - **कथन 1 सही है:** उत्तर भारत में वर्षा विफल होने की संभावना है यदि इस क्षेत्र में मानसून गर्त या इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन (ITCZ) के साथ वर्षा वाले तूफान बहुत बार नहीं आते हैं।
  - **कथन 2 ग़लत है:** पश्चिमी तट पर शुष्क अवधि उन दिनों से जुड़ी होती है जब हवाएँ तट के समानांतर चलती हैं।

प्रश्न2. सामान्य तौर पर, शीतकालीन मानसून के कारण उत्तर भारत में वर्षा नहीं होती है। निम्नलिखित में से कौन सा दिए गए कथन को सही व्यक्त करता है?

(a) दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर से गर्म और नम हवा भारत देश से दूर बहती है ।

(b) शीतकालीन मानसून में उच्च आर्द्रता होती है जिससे वर्षा नहीं होती है।

(c) अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र के उत्तर की ओर बढ़ने के कारण 25° उत्तर पर केन्द्रित स्थिति पर कब्जा कर रहा है।

(d) भूमि पर प्रति चक्रवाती परिसंचरण के कारण इनसे वर्षा की संभावना कम हो जाती है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **विकल्प (a) गलत है**: ग्रीष्मकालीन मानसून भारी वर्षा से जुड़ा है। जैसे ही सर्दियाँ ख़त्म होती हैं, दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर से गर्म, नम हवा भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों की ओर बहती है।
- **विकल्प (b) गलत है:** शीतकालीन मानसून के कारण वर्षा नहीं होती क्योंकि वे भूमि से समुद्र की ओर बढ़ते हैं। इसका एक कारण यह है कि उनमें नमी कम होती है।
- **विकल्प (c) गलत है:** ग्रीष्म ऋतु देश के उत्तरी हिस्से में अत्यधिक गर्मी और गिरते वायु दबाव की अवधि है। उपमहाद्वीप के गर्म होने के कारण, इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन (ITCZ) जुलाई में 25° उत्तर पर केंद्रित स्थिति में उत्तर की ओर बढ़ता है।
- **विकल्प (d) सही है:** भूमि पर प्रति चक्रवाती परिसंचरण के कारण उनसे वर्षा की संभावना कम हो जाती है। अत: भारत के अधिकांश भागों में शीत ऋतु में वर्षा नहीं होती है।

प्रश्न3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: दक्षिण भारत में ग्रिष्म ऋतु का मौसम हल्का गर्म होता है और उतना तीव्र नहीं होता जितना उत्तर भारत में पाया जाता है।

कथन II: महासागरों के मध्यम प्रभाव के साथ दक्षिण भारत की प्रायद्वीपीय स्थिति उत्तर भारत की तुलना में तापमान को कम रखती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** प्रायद्वीपीय भारत में तापमान 26°C और 32°C के बीच रहता है। ऊंचाई के कारण पश्चिमी घाट की पहाड़ियों में तापमान 25°C से नीचे रहता है। दक्षिण भारत में गर्म मौसम का मौसम सौम्य होता है और उतना प्रचंड नहीं होता जितना उत्तर भारत में पाया जाता है।
- **कथन 2 सही है:** महासागरों के मध्यम प्रभाव के कारण दक्षिण भारत की प्रायद्वीपीय स्थिति उत्तर भारत की तुलना में तापमान को कम रखती है।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

प्रश्न4. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

स्थानीय पवन	**प्रमुख विशेषताएँ**
1. नोर वेस्टर्स	चाय की खेती के लिए उपयोगी
2. लू	उत्तरी मैदानों में गर्म, शुष्क और शक्तिशाली हवाएँ चलती हैं
3. ब्लॉसम शावर	केरल में कॉफी के फूल खिलते हैं
4. मैंगो शॉवर	प्री-मॉनसून वर्षा जो केरल में एक आम घटना है

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **युग्म 1 सही है:** नॉर वेस्टर्स बंगाल और असम में शाम को भयानक तूफान आते हैं। उनकी कुख्यात प्रकृति को बैसाख महीने की आपदा 'कालबैसाखी' के स्थानीय नामकरण से समझा जा सकता है। ये वर्षा चाय, जूट और चावल की खेती के लिए उपयोगी हैं। असम में इन तूफानों को "बारदोइसिला" के नाम से जाना जाता है।
- **युग्म 2 सही है:** पंजाब से बिहार तक उत्तरी मैदानी इलाकों में दिल्ली और पटना के बीच उच्च तीव्रता वाली गर्म, शुष्क और शक्तिशाली हवाएँ चलती हैं।
- **युग्म 3 सही है**: ब्लॉसम शावर के साथ केरल और आसपास के क्षेत्रों में कॉफी के फूल खिलते हैं।
- **युग्म 4 सही है:** गर्मियों के अंत में, मैंगो शॉवर प्री-मानसून वर्षा होती है जो केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में एक आम घटना है। स्थानीय रूप से, इन्हें आम वर्षा के रूप में जाना जाता है क्योंकि ये आमों को जल्दी पकाने में मदद करते हैं।

प्रश्न5. अरब सागर की मानसूनी हवाओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वृष्टि छाया क्षेत्र पश्चिमी घाट के पश्चिमी किनारे पर बनता है।

2. ये हवाएँ मध्य भारत के विस्तृत क्षेत्रों में वर्षा कराती हैं।

3. ये हवाएँ अरावली में अल्प वर्षा का कारण बनती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** पश्चिमी घाट को पार करने के बाद, ये हवाएँ नीचे आती हैं और गर्म हो जाती हैं। इससे हवाओं में नमी कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, ये हवाएँ पश्चिमी घाट के पूर्व में बहुत कम वर्षा करती हैं। कम वर्षा वाले इस क्षेत्र को वृष्टि-छाया क्षेत्र के नाम से जाना जाता है।
- **कथन 2 सही है**: अरब सागर मानसून की एक शाखा मुंबई के उत्तर में तट से टकराती है। नर्मदा और तापी नदी घाटियों के साथ चलते हुए ये हवाएँ मध्य भारत के व्यापक क्षेत्रों में वर्षा कराती हैं।
- **कथन 3 सही है:** इस मानसूनी हवा की एक शाखा सौराष्ट्र प्रायद्वीप और कच्छ से टकराती है। इसके बाद यह पश्चिमी राजस्थान और अरावली के साथ-साथ गुजरती है, जिससे बहुत कम वर्षा होती है।

प्रश्न6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान, तमिलनाडु तट पर भारी वर्षा होती है।

कथन II: तमिलनाडु तट दक्षिण पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा के समानांतर स्थित है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है

(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- म्यांमार के तट के साथ अराकान पहाड़ियाँ बंगाल की खाड़ी की शाखा के एक बड़े हिस्से को भारतीय उपमहाद्वीप की ओर मोड़ती हैं।
- **कथन 1 गलत है:** दक्षिण पश्चिम मानसून के दौरान तमिलनाडु तट शुष्क रहता है।
- **कथन 2 सही है:** तमिलनाडु तट दक्षिण पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा के समानांतर स्थित है। यह दक्षिण-पश्चिम मानसून की अरब सागर शाखा के वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित है।

प्रश्न7. निम्न पर विचार कीजिए:

1. साफ़ आसमान

2. तापमान में गिरावट

3. नम भूमि

उपर्युक्त में से कौन सी विशेषताएँ लौटते हुए मानसून (मानसून निर्वतन) से संबंधित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अक्टूबर और नवंबर के महीने लौटते हुए मानसून के लिए जाने जाते हैं। सितंबर के अंत तक, दक्षिण पश्चिम मानसून कमजोर हो जाता है क्योंकि गंगा के मैदान का कम दबाव वाला गर्त सूर्य के दक्षिण की ओर बढ़ने की प्रतिक्रिया में दक्षिण की ओर बढ़ने लगता है।
- **कथन 1 सही है:** पीछे हटने वाले दक्षिण पश्चिम मानसून के मौसम को साफ आसमान के रूप में जाना जाता है।
- **कथन 2 गलत है**: दक्षिण पश्चिम मानसून के लौटने के मौसम को तापमान में वृद्धि के रूप में जाना जाता है। इसे आमतौर पर 'अक्टूबर हीट' के नाम से जाना जाता है। लौटते हुए मानसून के दौरान उत्तर भारत में मौसम शुष्क रहता है लेकिन यह प्रायद्वीप के पूर्वी हिस्से में वर्षा से जुड़ा होता है।
- **कथन 3 सही है:** दक्षिण पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान, भूमि नम रहती है। उच्च तापमान और आर्द्रता की स्थिति के कारण, मौसम काफी कष्टप्रद हो जाता है।

प्रश्न8. भारतीय मानसून के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जब मानसूनी हवाएँ तट से भूमि की ओर स्थानांतरित होती हैं तो नमी का स्तर गिर जाता है।

2. हरियाणा और पंजाब में सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण वर्षा होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारतीय मानसून, विश्व की मानसून प्रणालियों में सबसे प्रमुख है, जो मुख्य रूप से भारत और इसके आसपास के जल निकायों को प्रभावित करता है।
- **कथन 1 सही है:** पूरे मैदानी क्षेत्र में, गर्मियों के दौरान कई छोटी कम दबाव वाली कोशिकाएँ होती हैं। प्रत्येक निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बाद में होने वाली वर्षा के कारण, जैसे-जैसे मानसूनी हवाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती हैं, नमी का स्तर कम होता जाता है।
- **कथन 2 सही है:** हरियाणा और पंजाब में पश्चिमी विक्षोभ के कारण वर्षा होती है और गर्मियों में वर्षा बहुत कम होती है।

प्रश्न9. भारतीय मानसून पर अल-नीनो के प्रभाव के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

(a) यह कमजोर मानसून और सूखे जैसी स्थितियों से जुड़ा है।

(b) यह मानसूनी हवाओं को तीव्र करता है।

(c) इससे भारत में बाढ़ आ सकती है जिसके परिणामस्वरूप फसल बर्बाद हो सकती है।

(d) यह भारतीय भू सतह पर अधिक नमी लाता है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **विकल्प (a) सही है**: अल नीनो भारत की सूखे जैसी स्थितियों और कमजोर दक्षिण पश्चिम मानसून से जुड़ा हुआ है, जो भारत की वार्षिक वर्षा का लगभग 70% प्रदान करता है और अभी भी इसके अधिकांश किसानों के लिए आय का मुख्य स्रोत है।
- **विकल्प (b) गलत है:** ला नीना मानसूनी हवाओं को तीव्र करता है, जिसके परिणामस्वरूप भारत में अधिक वर्षा और नमी होती है।
- **विकल्प (c) गलत है:** ला नीना , अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली बाढ़ और भूस्खलन बुनियादी ढांचे और कृषि को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- **विकल्प (d) गलत है:** ला नीना भारतीय सतह पर अधिक नमी के लिए जिम्मेदार है।

प्रश्न10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उत्तर में ऊँचे पर्वत उपमहाद्वीप को ठंडी उत्तरी हवाओं से बचाने के लिए एक दुर्गम ढाल प्रदान करते हैं।

2. पश्चिमी घाट के घुमावदार किनारों पर जून-सितंबर के दौरान उच्च वर्षा होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है**: उत्तर में ऊंचा हिमालय अपने विस्तार के साथ एक प्रभावी जलवायु विभाजन के रूप में कार्य करता है। विशाल पर्वत श्रृंखला उपमहाद्वीप को ठंडी उत्तरी हवाओं से बचाने के लिए एक दुर्गम ढाल प्रदान करती है।
- ये ठंडी और सर्द हवाएं आर्कटिक वृत्त के पास से शुरू होती हैं और मध्य और पूर्वी एशिया में चलती हैं। हिमालय मानसूनी हवाओं को भी रोक लेता है, जिससे उन्हें उपमहाद्वीप के भीतर अपनी नमी गँवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
- **कथन 2 सही है:** पश्चिमी घाट और असम के हवा की ओर वाले किनारों पर जून-सितंबर के दौरान उच्च वर्षा होती है जबकि पश्चिमी घाट के साथ हवा की स्थिति के कारण दक्षिणी पठार शुष्क रहता है।

प्रश्न11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ग्रीष्मकाल में, अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र 20°N - 25°N अक्षांशों के आसपास स्थित होता है जिसे कभी-कभी मानसून गर्त भी कहा जाता है।

2. मॉनसून गर्त दक्षिणी भारत में तापीय निम्नता के विकास को प्रोत्साहित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन (ITCZ) भूमध्य रेखा पर स्थित एक कम दबाव वाला क्षेत्र है जहां व्यापारिक हवाएं मिलती हैं, और इसलिए, यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हवा ऊपर की ओर बढ़ती है। जुलाई में ITCZ, 20°N-25°N अक्षांशों (गंगा के मैदान के ऊपर) के आसपास स्थित होता है, जिसे कभी-कभी मानसून गर्त भी कहा जाता है।
- **कथन 2 गलत है:** मानसून गर्त उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में तापीय निम्नता के विकास को प्रोत्साहित करता है। ITCZ के बदलाव के कारण, दक्षिणी गोलार्ध की व्यापारिक हवाएँ 40° और 60°E देशांतर के बीच भूमध्य रेखा को पार करती हैं और कोरिओलिस बल के कारण दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहने लगती हैं। यह दक्षिण पश्चिम मानसून बन जाता है।
- सर्दियों में, ITCZ दक्षिण की ओर बढ़ता है, और इसलिए उत्तर-पूर्व से दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम की ओर हवाओं का उलटा होता है। इन्हें उत्तरपूर्वी मानसून कहा जाता है।

प्रश्न12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उपोष्णकटिबंधीय जेट का उत्तर की ओर बढ़ना भारत में मानसून की शुरुआत का पहला संकेत है।

2. मानसून का आगमन ऊपरी वायु परिसंचरण पर निर्भर करता है जिस पर पोलर नाइट जेट स्ट्रीम का प्रभुत्व होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जेट स्ट्रीम एक भू-आकृतिक वायु है जो सामान्य तौर पर 20,000 से 50,000 फीट की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है, जो क्षोभमंडल की सबसे ऊंची परतों में क्षैतिज रूप से बहती है।
- जहां भी अलग-अलग तापमान वाली वायुराशियां एकत्रित होती हैं, वहां जेट स्ट्रीम बनती हैं। इस प्रकार, जेट स्ट्रीम का गठन अक्सर सतह के तापमान से निर्धारित होता है।
- **कथन 1 सही है:** जेट स्ट्रीम की आवधिक गति प्राय: शुरुआत (STJ कुछ ही दिनों में हिमालय के उत्तर में पहुंच जाती है) और बाद में वापसी (STJ वापस अपनी स्थिति - हिमालय के दक्षिण में) का संकेतक होती है। मानसून उपोष्णकटिबंधीय जेट का उत्तर की ओर बढ़ना भारत में मानसून की शुरुआत का पहला संकेत है।
- **कथन 2 गलत है:** उपोष्णकटिबंधीय जेट स्ट्रीम (Sub-Tropical Jet Streams)(STJ) ऊपरी वायु परिसंचरण पर हावी है, जो मानसून के विस्फोट के लिए जिम्मेदार है। उष्णकटिबंधीय पूर्वी धारा भारत में आने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून से जुड़ी हुई है। यह 8 से 35 डिग्री उत्तर के बीच अक्षांशों में बहती है।

प्रश्न13. भारतीय जलवायु के कोपेन के वर्गीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

कोड	**जलवायु क्षेत्र**
1.As	पूर्वी राजस्थान, गंगा के मैदान
2. BShw	उत्तर-पश्चिमी गुजरात, पंजाब
3. Cwg	तमिलनाडु
4. Dfc	अरुणाचल प्रदेश

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कोपेन जलवायु वर्गीकरण जलवायु को पांच मुख्य जलवायु समूहों में विभाजित करता है, प्रत्येक समूह को मौसमी वर्षा और तापमान के प्रतिरूप के आधार पर विभाजित किया जाता है।
- पांच मुख्य समूह A (उष्णकटिबंधीय), B (शुष्क), C (समशीतोष्ण), D (महाद्वीपीय), और E (ध्रुवीय) हैं। प्रत्येक समूह और उपसमूह को एक अक्षर द्वारा दर्शाया जाता है।
- **युग्म (1) गलत है:** इसका तात्पर्य उच्च सूर्य अवधि में शुष्क मौसम के साथ मानसून प्रकार है। वार्षिक वर्षा 75-100 सेमी के बीच होती है। इस समूह में तमिलनाडु के तटीय भाग और भारत में आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्र शामिल हैं।
- **युग्म (2) सही है:** यह अर्ध-शुष्क स्टेपी प्रकार के जलवायु क्षेत्र को दर्शाता है। वार्षिक वर्षा 12 सेमी से 25 सेमी के बीच होती है। इस समूह में पश्चिमी घाट के कुछ वर्षा छाया भाग, राजस्थान का एक बड़ा भाग और हरियाणा और गुजरात के निकटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं।
- **युग्म (3) गलत है:** यह कोड शुष्क सर्दियों के साथ मानसून प्रकार को दर्शाता है। वर्षा प्रतिवर्ष 100 से 200 सेमी के बीच होती है। इस समूह में गंगा का अधिकांश मैदानी क्षेत्र, पूर्वी राजस्थान, असम और मालवा पठार प्रभावित हैं।
- **युग्म (4) सही है:** यह कम गर्मी के साथ ठंडी, आर्द्र सर्दियों के प्रकार को दर्शाता है। प्रतिवर्ष लगभग 200 सेमी वर्षा होती है। इस समूह में सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्से शामिल हैं।

प्रश्न14. निम्न पर विचार कीजिए:

1. उच्चावच विशेषताएँ

2. समुद्र से दूरी

3. भूमि एवं जल का वितरण

4. देशांतर

उपर्युक्त में से कौन सा कारक भारत की जलवायु का निर्धारण करता है?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 4

(d) 1, 2, 3, और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भारत की भौगोलिक स्थिति या उच्चावच तापमान, वायुदाब, हवा की दिशा और गति और वर्षा की मात्रा और वितरण को प्रभावित करती है।
- **कथन 2 सही है**: लंबी तटरेखा के साथ, बड़े तटीय क्षेत्रों में समान जलवायु होती है। भारत के आंतरिक क्षेत्र समुद्र के मध्यम प्रभाव से बहुत दूर हैं। ऐसे क्षेत्रों में जलवायु की चरम सीमा होती है। इसीलिए, मुंबई और कोंकण तट के लोगों को तापमान की चरम सीमा और मौसम की मौसमी आवर्तन (rhythm) का अंदाज़ा ही नहीं होता है।
- **कथन 3 सही है:** भारत दक्षिण में तीन तरफ हिंद महासागर से घिरा है और उत्तर में एक ऊंची और सतत पर्वत-श्रृंखला से घिरा है। भूसतह की तुलना में जल धीरे-धीरे गर्म होता है और ठंडा होता है।
- **कथन 4 गलत है:** देशांतर का किसी भी क्षेत्र की जलवायु पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्रश्न 15. उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये वन 200 सेमी से अधिक वार्षिक वर्षा वाले गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

2. ये वन अच्छी तरह से स्तरीकृत हैं, जिनकी परतें सतह के निकट हैं।

3. इन वनों में पेड़ों के पत्ते गिराने का निश्चित समय होता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढलान, उत्तरपूर्वी क्षेत्र की पहाड़ियों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाए जाते हैं।
- **कथन 1 सही है**: वे गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहां वार्षिक वर्षा 200 सेमी से अधिक होती है और औसत वार्षिक तापमान 22 डिग्री सेल्सियस से ऊपर होता है।
- **कथन 2 सही है:** उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन अच्छी तरह से स्तरीकृत होते हैं, उनकी परतें सतह के निकट होती हैं और झाड़ियों और लताओं से ढकी होती हैं, जिनमें छोटी संरचना वाले पेड़ होते हैं और उसके बाद विभिन्न प्रकार के ऊंचे पेड़ होते हैं।
- **कथन 3 गलत है:** इन जंगलों में, पेड़ 60 मीटर या उससे अधिक की ऊँचाई तक पहुँचते हैं। पेड़ों के पत्ते झड़ने, फूल आने और फल लगने का कोई निश्चित समय नहीं है।

प्रश्न16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इन वनों को मानसून वन भी कहा जाता है।

2. ये वन उन क्षेत्रों में फैले हुए हैं जहाँ 70-200 सेमी के बीच वर्षा होती है।

3. ये वन भारत में सबसे अधिक फैले हुए वन हैं।

उपर्युक्त कथनों में निम्नलिखित में से किस वन का उल्लेख किया गया है?

(a) उष्णकटिबंधीय अर्ध-सदाबहार वन

(b) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

(c) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन

(d) तटीय और दलदली वन

उत्तर: (b)

व्याख्या:

उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन:

- ये भारत में सबसे व्यापक वन हैं।
- इन्हें मानसून वन भी कहा जाता है।
- वे उन क्षेत्रों में फैले हुए हैं जहां 70-200 सेमी के बीच वर्षा होती है।
- पानी की उपलब्धता के आधार पर इन वनों को नम और शुष्क पर्णपाती में विभाजित किया गया है।
- जिन स्थानों पर ये वन स्थित हैं, उनकी विशेषता एक लंबा शुष्क मौसम है जिसके बाद तीव्र वर्षा का मौसम आता है। तो, विकल्प (b) सही है।

प्रश्न17. उष्णकटिबंधीय कांटेदार जंगलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इन वनों में पौधे वर्ष के अधिकांश समय पत्ती रहित रहते हैं और झाड़ीदार वनस्पति का आभास देते हैं।

2. ये वन दक्षिण पश्चिम पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

उपर दिए गए कथनों में से कौन सा /से सही है/हैं।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- उष्णकटिबंधीय कांटेदार जंगल उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहां 50 सेमी से कम वर्षा होती है।
- **कथन 1 सही है:** इन वनों में, पौधे वर्ष के अधिकांश भाग में पत्ती रहित रहते हैं और झाड़ीदार वनस्पति की आभास देते हैं।
- **कथन 2 सही है**: इनमें विभिन्न प्रकार की घास और झाड़ियाँ शामिल हैं। इसमें दक्षिण पश्चिम पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अर्ध-शुष्क क्षेत्र शामिल हैं।
- यहाँ पाई जाने वाली महत्वपूर्ण प्रजातियाँ बबूल, बेर और जंगली खजूर, खैर, नीम, खेजड़ी, पलास आदि हैं।

प्रश्न18. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हिमालय की उत्तरी ढलानों पर दक्षिणमुखी ढलानों की तुलना में अधिक सघन वनस्पति आवरण है।

2. शीशम, महोगोनी, ऐनी उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों की कुछ प्रजातियाँ हैं।

3. पर्णपाती वन हिमालय की तलहटी में पाए जाते हैं।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही है/हैं ?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 ग़लत है:** हिमालय की दक्षिणी ढलानों पर उत्तर की ओर शुष्क ढलानों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होने के कारण सघन वनस्पति आवरण मौजूद है। अधिक ऊंचाई पर, काई और लाइकेन टुंड्रा जैसी वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।
- **कथन 2 सही है:** चूँकि उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन पूरे वर्ष हरे दिखाई देते हैं। इन वनों में पाई जाने वाली प्रजातियों में शीशम, महोगोनी, ऐनी, आबनूस आदि शामिल हैं।
- **कथन 3 सही है:** हिमालय पर्वतमाला उष्णकटिबंधीय से टुंड्रा तक वनस्पति का क्रम दर्शाती है, जो ऊंचाई के साथ बदलती रहती है। पर्णपाती वन हिमालय की तलहटी में पाए जाते हैं।

प्रश्न19. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत की औसत कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से ऊपर है।

2. राज्यों में सिक्किम की शहरी कुल प्रजनन दर भारत में सबसे कम है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है**: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार 2019-21 (NFHS-5) में कुल प्रजनन दर (TFR) घटकर 2.0 हो गई, जो प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। प्रति महिला लगभग 2.1 बच्चों की कुल प्रजनन दर को प्रतिस्थापन-स्तर की प्रजनन क्षमता कहा जाता है
- **कथन 2 सही है:** राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार सिक्किम की कुल प्रजनन दर TFR 1.1, शहरी क्षेत्र में 0.7 और ग्रामीण क्षेत्र में 1.3 है जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है और चिंता का कारण है। सिक्किम की कुल जनसंख्या वृद्धि दर 1991-2001 में 32.98% से गिरकर 2001-2011 में 12.89% हो गई।
- सिक्किम की जनसंख्या सबसे कम 6.8 लाख से अधिक है। पिछले 15 वर्षों में इसका TFR आधा हो गया है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसका मतलब यह है कि सिक्किम में हर 3-4 महिलाओं में से केवल एक ही बच्चे पैदा कर रही है। NFHS-5 डेटा के मुताबिक, 25-49 साल की महिलाओं में पहली शादी की औसत उम्र 21.5 साल थी। 20-49 वर्ष आयु वर्ग में 25% महिलाओं और 40% पुरुषों ने विवाह नहीं किया था।

प्रश्न20. माल्थस सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें बताया गया है कि जनसंख्या अंकगणितीय प्रगति में बढ़ती है।

2. सिद्धांतों की अलोचनाओं में से एक, सिद्धांत में निवारक जाँच का अभाव हैं ।

उपर्युक्त कौन सा कथन सही है?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- थॉमस रॉबर्ट माल्थस (1766-1834) ने जनसंख्या के सिद्धांत पर अपने निबंध (1798) में माल्थस ने तर्क दिया कि दो लिंगों के मजबूत आकर्षण के कारण, जनसंख्या कई गुना बढ़ सकती है, प्रत्येक पच्चीस वर्ष में जनसँख्या दोगुनी हो सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि अंततः जनसंख्या इतनी बड़ी हो जाएगी कि खाद्य उत्पादन अपर्याप्त होगा।

- **कथन 1 गलत है:** माल्थस ने कहा कि जनसंख्या एक ज्यामितीय प्रगति में बढ़ी (यानी, 2, 4, 16, 132...)। जबकि खाद्य उत्पादन अंकगणितीय प्रगति (यानी, 2, 4, 6, 8...) में बढ़ा। इस प्रकार, जनसंख्या खाद्य उत्पादन की तुलना में तेजी से बढ़ी और थोड़े ही समय में उससे आगे निकल गई।
- **कथन 2 सही है**: हेनरी जॉर्ज ने प्रोग्रेस एंड पॉवर्टी (1879) में माल्थस के इस विचार की आलोचना की कि जनसंख्या वृद्धि गरीबी का कारण है, उन्होंने तर्क दिया कि गरीबी, भूमि और प्राकृतिक संसाधनों के स्वामित्व के संकेंद्रण के कारण होती है।
- माल्थस ने 'सकारात्मक' जांचों पर अधिक जोर दिया और गर्भ निरोधकों और परिवार नियोजन जैसी 'निरोधक' जांचों की भूमिका की कल्पना नहीं की।

प्रश्न21. निम्नलिखित में से कौन सा जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक का उदाहरण नहीं है

(a) कटंगा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में तांबे की खनन गतिविधियाँ।

(b) कोबे-ओसाका, जापान में शिपिंग उद्योग।

(c) केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में जल संकट।

(d) भारत में ग्रामीण से शहरी तक का प्रवास ।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- जल, जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है। इसलिए, लोग उन क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं जहां ताज़ा पानी आसानी से उपलब्ध हो। पानी का उपयोग पीने, नहाने और खाना पकाने के साथ-साथ मवेशियों, फसलों, उद्योगों और नेविगेशन के लिए भी किया जाता है। यह एक प्रमुख भौगोलिक कारक है जो किसी क्षेत्र के जनसंख्या वितरण को प्रभावित करता है। इसलिए, केप टाउन में जल संकट एक भौगोलिक कारक है जो जनसंख्या वितरण को प्रभावित करता है। **इसलिए, विकल्प (c) सही है।**
- सरकार ने "डे जीरो" की घोषणा की - वह समय जब बांध का स्तर इतना कम हो जाएगा कि वे केप टाउन में नल बंद कर देंगे और लोगों को सामुदायिक जल संग्रह स्थानों पर भेजा जायेगा।
- खनन गतिविधियाँ या औद्योगिक गतिविधियाँ आर्थिक कारक का हिस्सा हैं जो जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं।
- खनिज भंडार वाले क्षेत्र उद्योगों को आकर्षित करते हैं। खनन और औद्योगिक गतिविधियाँ रोजगार पैदा करती हैं। इसलिए, कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिक इन क्षेत्रों में चले जाते हैं और उन्हें घनी आबादी वाला बना देते हैं। अफ्रीका के कटंगा में तांबा खनन गतिविधियाँ ऐसा ही एक अच्छा उदाहरण है।
- शहर बेहतर रोजगार के अवसर, शैक्षिक और चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन और संचार के बेहतर साधन प्रदान करते हैं। अच्छी नागरिक सुविधाएँ और शहरी जीवन का आकर्षण लोगों को शहरों की ओर खींचता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन होता है और शहरों का आकार बढ़ता है। दुनिया के मेगा शहर हर साल बड़ी संख्या में प्रवासियों को आकर्षित करते रहते हैं।

प्रश्न22. निम्नलिखित में से कौन "फार्म वानिकी" शब्द का सही वर्णन करता है?

(a) यह वह प्रक्रिया है जिसके तहत किसान अपनी कृषि भूमि पर वाणिज्यिक और गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पेड़ उगाते हैं।

(b) यह पर्यावरण, सामाजिक और ग्रामीण विकास में मदद करने के उद्देश्य से वनों का प्रबंधन और संरक्षण और बंजर भूमि पर वनीकरण है।

(c) यह सरकार द्वारा किसानों को वृक्ष उगाने के लिए दी गई भूमि है।

(d) यह कृषि भूमि से अवांछित पौधों को हटाने की प्रक्रिया है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- फार्म वानिकी एक शब्द है जो उस प्रक्रिया पर लागू होता है जिसके तहत किसान अपनी कृषि भूमि पर वाणिज्यिक और गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पेड़ उगाते हैं। **अतः, विकल्प (a) सही है।**
- विभिन्न राज्यों के वन विभाग छोटे और मध्यम किसानों को मुफ्त में पेड़ों की पौध वितरित करते हैं। गैर-वाणिज्यिक कृषि वानिकी के तहत पेड़ उगाने के लिए कई भूमि जैसे कि कृषि क्षेत्रों, घास के मैदानों और चरागाहों के किनारे, घरों और गौशालाओं के आसपास की भूमि का उपयोग किया जा सकता है।

प्रश्न23. निम्न पर विचार कीजिए:

1. मनुष्य द्वारा अत्यधिक शोषण

2. विशेष भूमि को वन्यजीव अभ्यारण्य घोषित करना

3. प्राकृतिक आपदाएँ

4. आवास विखंडन

उपर्युक्त में से कौन से कारक वन्यजीव अभ्यारण्य में ह्रास के लिए उत्तरदायी हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3, और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** अत्यधिक दोहन के कारण कई प्रजातियाँ लुप्तप्राय हो गई हैं। विदेशी पालतू व्यापार के लिए मेंढकों के अवैध शिकार के कारण मेंढकों की कई प्रजातियाँ वर्तमान में लुप्तप्राय स्थिति में हैं। मनुष्यों

द्वारा अत्यधिक दोहन के कारण, यह गलत धारणा है कि गैंडे के सींगों में चिकित्सीय गुण होते हैं, जिसके कारण यह प्रजाति लुप्तप्राय हो गई है।

- **कथन 2 गलत है:** वन्यजीव अभयारण्यों का उद्देश्य संकटग्रस्त और संकटग्रस्त जानवरों की सुरक्षा करना है। जानवरों को उनके मूल निवास स्थान में संरक्षित करना फायदेमंद है क्योंकि उन्हें वहां से लगातार स्थानांतरित करना काफी कठिन है। वन्यजीव अभयारण्यों में लुप्तप्राय प्रजातियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
- **कथन 3 सही है:** वन्यजीव आपदा के कारण मारे जा सकते हैं या निवास स्थान और भोजन की उपलब्धता में परिवर्तन के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। जब निवास स्थान नष्ट हो जाता है तो लुप्तप्राय प्रजातियाँ विशेष रूप से असुरक्षित हो जाती हैं।
- **कथन 4 सही है:** विखंडन वन्यजीवों की गतिशीलता को सीमित करता है। व्यक्तियों को निवास स्थान के बीच स्थानांतरित होने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जिससे अंतःप्रजनन और आनुवंशिक विविधता का नुकसान हो सकता है। इससे जनसंख्या के दीर्घकालिक स्वास्थ्य में कमी आती है, जिससे यह बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती है और विलुप्त होने का खतरा बढ़ जाता है।

प्रश्न24: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

झरना	**नदी**
1. हुंडरू	दामोदर
2. गरसोप्पा	तुंगभद्रा
3. कुंचिकल	वरही

उपर्युक्त में से कितने युग्म गलत है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **युग्म 1 गलत है**: हुंडरू जलप्रपात सुवर्णरेखा नदी के मार्ग पर बना है, जहां यह 98 मीटर की ऊंचाई से गिरता है और झारखंड के सबसे ऊंचे जलप्रपातों में से एक बनता है।
- **युग्म 2 गलत है:** जोग जलप्रपात (जिन्हें गरसोप्पा जलप्रपात भी कहा जाता है) कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में स्थित हैं। जोग स्वयं एक कन्नड़ शब्द है, जिसका अर्थ है गिरना। जोग जलप्रपात शरावती नदी द्वारा 253 मीटर की ऊंचाई से गिरता है, जो मेघालय में 335 मीटर की ऊंचाई से गिरने वाले नोहकलिकाई जलप्रपात और गोवा में 310 मीटर की ऊंचाई से गिरने वाले दूधसागर जलप्रपात के बाद भारत में तीसरा सबसे ऊंचा झरना है।
- **युग्म 3 सही है:** कुंचिकल जलप्रपात भारत का एक जलप्रपात है जो कर्नाटक राज्य के शिवमोग्गा जिले में मस्तिकट्टे के पास निदागोडु गांव में स्थित है। कुंचिकल जलप्रपात चट्टानी पत्थरों से गिरता है और विश्व

जलप्रपात डेटाबेस के अनुसार झरने की कुल ऊंचाई 455 मीटर है। कुंचिकल झरना वरही नदी द्वारा निर्मित है।

प्रश्न25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वेम्बनाड झील को केरल के बैकवाटर के प्रवेश द्वार के रूप में भी जाना जाता है।

2. त्सो-मोरीरी झील भारत की सबसे ऊंची ताजे पानी की झील है।

उपर्युक्त कौन सा कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** अष्टमुडी झील जिसे अपनी 8 भुजाओं या चैनलों के कारण केरल बैकवाटर का प्रवेश द्वार कहा जाता है और यह देश में सबसे अधिक देखी जाने वाली बैक वॉटर झील में से एक है। यह दक्षिणी केरल के कोल्लम जिले में स्थित है और इसका क्षेत्रफल लगभग 61.4 वर्ग किमी है। कल्लादा नदी अष्टमुडी झील के लिए पानी का प्रमुख स्रोत है। वेम्बनाड भारत की सबसे लंबी झील होने के साथ-साथ केरल राज्य की सबसे बड़ी झील है।
- **कथन 2 गलत है:** त्सो मोरीरी झील उत्तरी लद्दाख में चांगथांग पठार में स्थित है। यह झील 4,522 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और भारत की सबसे ऊंची खारे पानी की झीलों में से एक है। झील के आसपास का क्षेत्र संरक्षित है और इसे त्सो मोरीरी वेटलैंड संरक्षण रिजर्व के रूप में जाना जाता है।

Q26: भारतीय उपमहाद्वीप के भूवैज्ञानिक गठन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. टेथिस सागर में वलन के परिणामस्वरूप पश्चिमी एशिया और हिमालय की पर्वतीय प्रणाली का निर्माण हुआ है ।

2. प्रायद्वीपीय भारत अंगारालैंड का हिस्सा था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• वर्तमान भूगर्भिक संरचानाये लाखों वर्षों में हुए परिवर्तनों के परिणामस्वरूप विकसित हुई हैं। वर्तमान हिमालय और भारत के उत्तरी मैदानी क्षेत्र प्राचीन समय में एक समुद्री संरचना के नीचे स्तिथ थे , जिसे 'टेथिस' कहा जाता था। यह एक लम्बा और उथला समुद्र था जो दो विशाल भूभागों के बीच स्थित था – उत्तर में 'अंगारालैंड' और दक्षिण में 'गोंडवानालैंड'। टेथिस पूर्व दिशा में वर्तमान भारत-म्यांमार सीमा तक फैला हुआ था और पश्चिम दिशा में गिनी की खाड़ी में दक्षिण अटलांटिक महासागर में शामिल होने से पहले पश्चिमी एशिया, उत्तर-पूर्वी और अफ्रीका के मध्य भागों सहित एक विशाल क्षेत्र को सम्मलित करता था।

• लाखों वर्षों तक दोनों भू-भागों में अनाच्छादन के परिणामस्वरूप टेथिस सागर में तलछट का जमाव हुआ। ये दो विशाल भूभाग धीरे-धीरे लगातार एक-दूसरे की ओर बढ़ रहे थे। दो विपरीत दिशाओं से कार्य करने वाली इस पार्श्व शक्ति ने न केवल समुद्र को और सिकुड़ा दिया, बल्कि लाखों वर्षों में वर्तमान हिमालय जैसे शक्तिशाली वलित पर्वतों तक द्वीपों की एक श्रृंखला भी बना दी। अत: विकल्प (A) सही है।

Q27: उत्तर की महान पर्वतीय दीवार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें?

1. पामीर पठार काराकोरम और कुनलुन सहित विश्व की कुछ प्रमुख पर्वत श्रृंखलाओं के अभिसरण का संगम बिंदु है।

2. बाल्टोरो ग्लेशियर और सियाचिन ग्लेशियर कैलाश पर्वत श्रंखला में स्थित हैं।

3. सिंधु नदी लद्दाख और जास्कर पर्वत श्रृंखला के बीच दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती है।।

उपर्युक्त कथनों में से सही कथन हैं/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1,2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** पामीर पठार मध्य एशिया में स्थित है। इसे विश्व की छत भी कहा जाता है। इस पठार से कई पर्वत श्रृंखलाएँ निकलती हैं। उनमें से कुनलुन एक है उनमें से एक कुनलुन है जो तिब्बत में पूर्व की और विस्तारित होती है | एक अन्य श्रेणी काराकोरम है, जिसका विस्तार दक्षिण-पूर्व दिशा में कश्मीर को शामिल करता है और इसमें अक्साई चिन का पठार भी शामिल है। इसका विस्तार आगे पूर्व तक फैला हुआ है और इसे तिब्बत में कैलाश पर्वतमाला के नाम से जाना जाता है।

• **कथन 2 गलत है:** काराकोरम ऊंचे पर्वत हैं जिनमें K2 शामिल है, जो दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी है। काराकोरम दर्रा अब विशेष महत्व प्राप्त कर चुका है। इस भाग में बड़े-बड़े ग्लेशियर हैं, यानी ठोस बर्फ और बर्फ की बेहद धीमी गति से बहने वाली नदियाँ हैं। बाल्टोरो और सियाचिन इस क्षेत्र के कुछ ग्लेशियर हैं।

• **कथन 3 सही है:** काराकोरम के दक्षिण में दो समानांतर पर्वतमालाएँ हैं। इन्हें लद्दाख और जास्कर पर्वतमाला के नाम से जाना जाता है। सिंधु नदी कैलाश पर्वत शिखर के नजदीक से निकलती है।और यह भारत में प्रवेश करने से पहले कैलाश और अन्य पर्वतमालाओं को पार करती है। कश्मीर में यह लद्दाख और जास्कर पर्वत श्रृंखलाओं के बीच दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती है।

Q28: हिमालय के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:-

1. यह सिन्धु से लेकर ब्रह्मपुत्र तक पश्चिम-पूर्व दिशा में फैला हुआ है |

2. पश्चिमी हिमालय की तुलना में पूर्वी हिमालय की चौड़ाई अधिक है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या - कथन 1 सही है: हिमालय युवा वलित पर्वत हैं। कुल मिलाकर तीन अलग-अलग श्रेणियाँ एक-दूसरे के समानांतर चलती हैं। उत्तरी हिमालय पश्चिम में सिंधु से लेकर पूर्व में ब्रह्मपुत्र तक फैला हुआ है। वे इन दोनों चरम सीमाओं के बीच एक चाप बनाते हैं, जो 2500 किमी की दूरी तय करता है।

कथन 2 ग़लत है: हिमालय की चौड़ाई पश्चिम में 400 किमी से लेकर पूर्व में 150 किमी तक भिन्न-भिन्न है। कश्मीर में हिमालय पर्वत श्रंखला की चौड़ाई अधिक है और यह पूर्व की ओर संकरी हो जाती है। पूर्वी हिमालय में स्तिथ पर्वत श्रंखलाओ की ऊंचाई पश्चिमी हिमालय की पर्वत श्रंखलाओ से अधिक है।

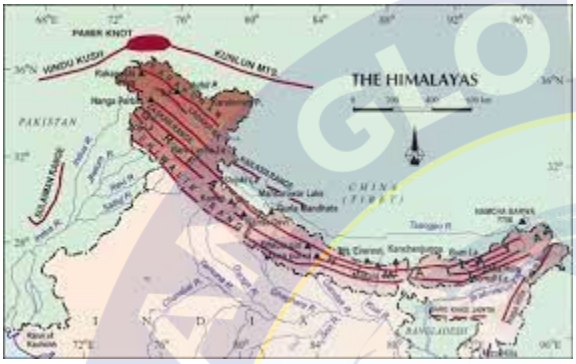

Q29: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पूर्वांचल में पटकाई पहाड़ियाँ, नागा पहाड़ियाँ और मिज़ो पहाड़ियाँ शामिल हैं।

2. गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ पश्चिम से पूर्व की ओर इसी क्रम में स्थित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या - कथन 1 सही है: ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय की सबसे पूर्वी भौगोलिक सीमा को चिह्नित करती है। भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित पर्वतों को पूर्वांचल कहा जाता है। । इनकी ऊँचाई मध्यम हैं इनमें पटकाई बूम, उत्तर में नागा पहाड़ियाँ और दक्षिण में मिज़ो पहाड़ियाँ शामिल हैं।

कथन 2 गलत है: केंद्र में ये पर्वत श्रंखला, मेघालय में बांग्लादेश-भारत सीमा के साथ पश्चिम की ओर मुड़ जाते हैं। यहां पूर्व से पश्चिम तक जैंतिया, खासी और गारो पहाड़ियां शामिल हैं।

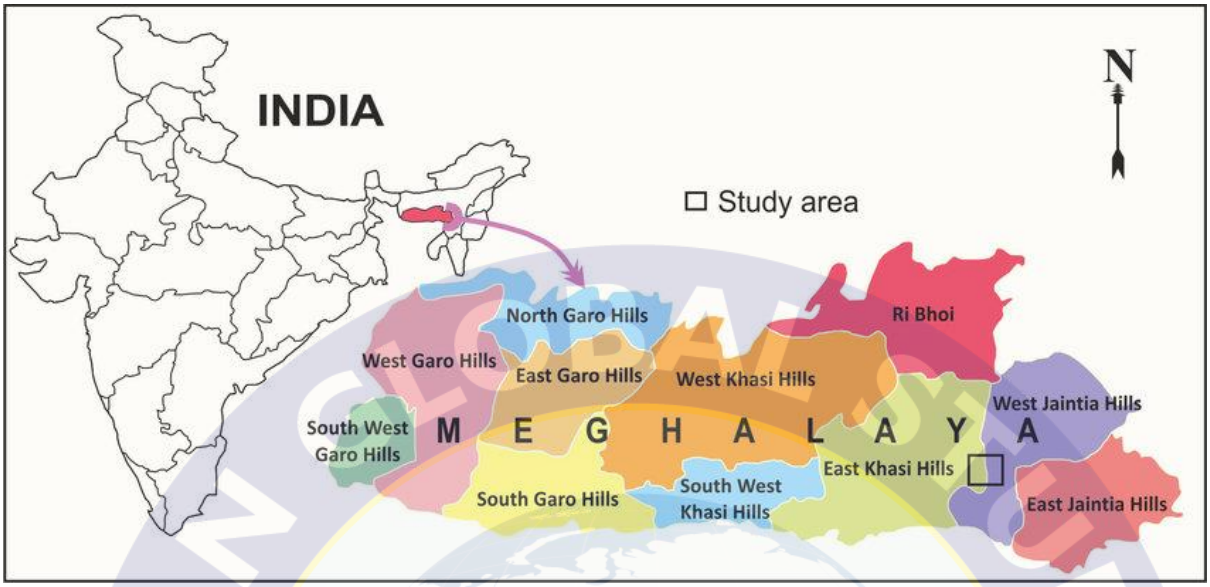

Q30: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विंध्य पर्वतमाला दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरी हुई है।

2. केंद्रीय उच्चभूमि पश्चिम में चौड़े लेकिन पूर्व में संकरे हैं।

3. मालवा पठार का पश्चिमी विस्तार स्थानीय रूप से बुन्देलखण्ड के नाम से जाना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से सही कथनों का चुनाव करें हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1,2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या -

कथन 1 सही है: विंध्य पर्वतमाला दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला और उत्तर पश्चिम में अरावली से घिरी हुई है। विंध्य श्रेणी, भारत के मध्य ऊपरी क्षेत्र के दक्षिणी ढलान का निर्माण करने वाली पहाड़ियों की विखंडित हुई श्रृंखला हैं । पश्चिम में गुजरात राज्य से, यह मध्य प्रदेश राज्य में लगभग 1,086 किमी तक फैला हुआ है और उत्तर प्रदेश के वाराणसी के पास गंगा नदी घाटी तक फैला हुआ है।

कथन 2 सही है: केंद्रीय उच्चभूमि की ढलान दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर है। यह मालवा पठार के अधिकांश भाग को कवर करता है। यह पश्चिम में चौड़ा और पूर्व में संकरा है।

कथन 3 गलत है: पठार धीरे-धीरे उत्तर के गंगा के मैदान में विलीन हो जाता है जिसे मालवा पठार के रूप में जाना जाता है। यह पश्चिम में काफी चौड़ा है और पूर्व में काफी संकरा होता जाता है। इसका पूर्वी भाग दक्षिणी उत्तर प्रदेश में बुन्देलखण्ड और बघेलखण्ड के नाम से जाना जाता है। दक्षिण बिहार में इसे छोटानागपुर पठार के नाम से जाना जाता है। यमुना और गंगा की दक्षिणी सहायक नदियाँ पठार को प्रवाहित करती हैं।

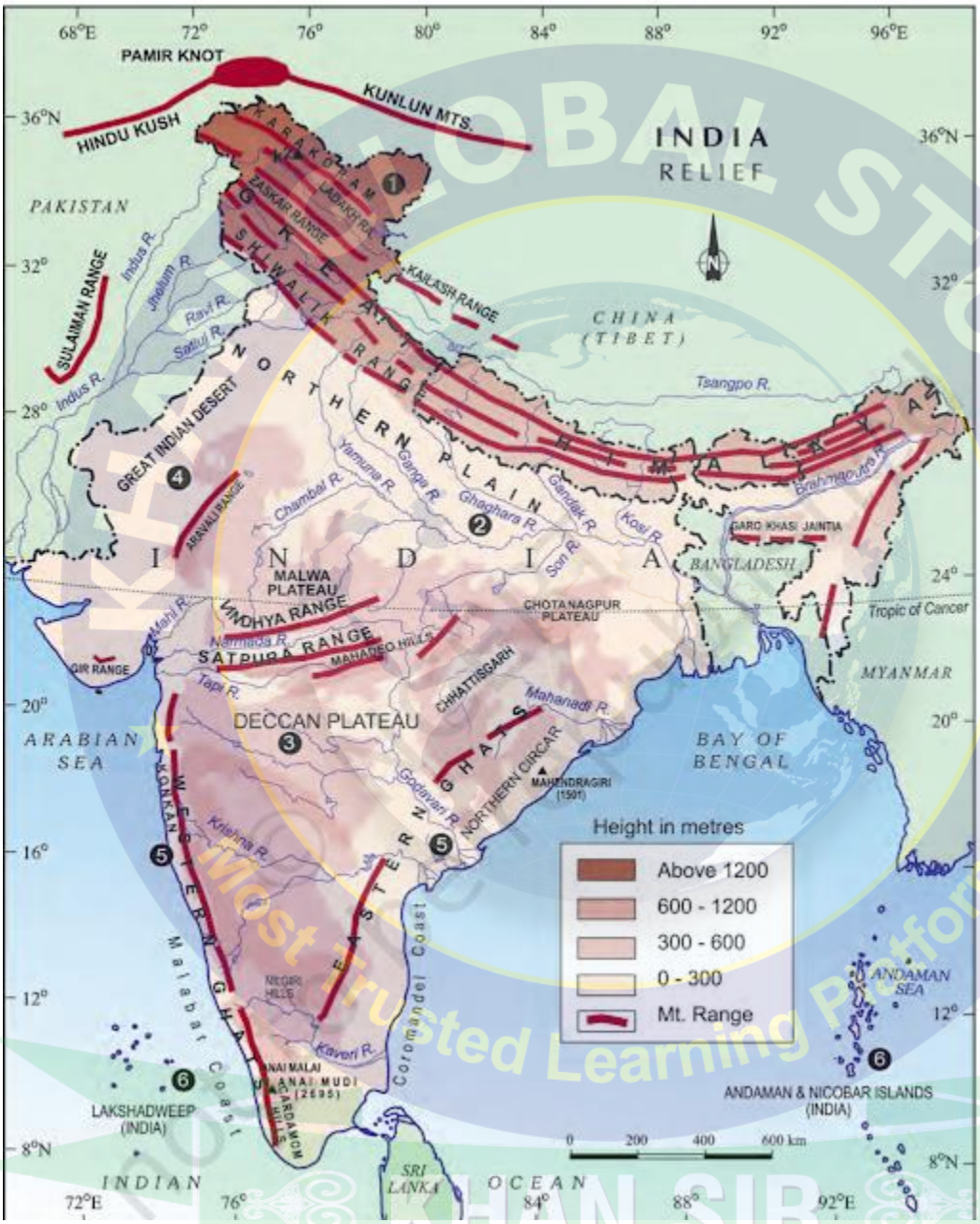

Q31: तटीय मैदानों से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: -

1. पश्चिमी तट का उत्तरी भाग कोंकण कहलाता है।

2. नर्मदा और तापी नदियाँ पश्चिमी तट पर डेल्टा का निर्माण करती हैं।

3. बंगाल की खाड़ी के किनारे का मैदान चौड़ा और समतल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1,2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या - कथन 1 सही है: पश्चिमी तटीय मैदान का विस्तार गुजरात से केरल तक है। पश्चिम में अरब सागर के किनारे की तटीय पट्टी उत्तर में कोंकण और गोवा के दक्षिण में मालाबार के नाम से जानी जाती है।

कथन 2 गलत है: भारत में नर्मदा और तापी नदियाँ डेल्टा नहीं बनाती हैं क्योंकि उनमें तीव्र ढाल है और उनका प्रवाह अपेक्षाकृत तेज़ है। गुजरात में कई ज्वारनदमुख हैं- जिनमें से प्रमुख हैं नर्मदा और तापी। यह मुंबई और मार्मागाओ जैसे गहरे प्राकृतिक बंदरगाहों से समृद्ध है।

कथन 3 सही है: दक्षिणी तट खारे पानी की झीलों से भरा हुआ है जिन्हें लैगून कहा जाता है। ।बंगाल की खाड़ी के किनारे की तटीय पट्टी, पश्चिमी पट्टी के विपरीत चौड़ी और अधिक समतल है। तटीय पट्टी, लेकिन डेल्टा के लिए, चट्टानी है और छोटी लेकिन तेज़ बहने वाली नदियों द्वारा अत्यधिक विच्छेदित है।

Q 32: 'उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन' के सम्बंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: -

1. ये भारत में सबसे अधिक विस्तृत वन हैं और इन्हें मानसूनी वन के रूप में जाना जाता हैं|

2. साल वृक्ष शुष्क पर्णपाती वन से संबंधित है।

3. शुष्क पर्णपाती वन उत्तर में शिवालिक पर्वतमाला के किनारे पाए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों को मानसून वन भी कहा जाता है | ऐसा इसलिए है क्योंकि वे लगभग पूरे भारत में प्राकृतिक आवरण बनाते हैं, खासकर 200 से 75 सेंटीमीटर वर्षा के बीच |आर्थिक दृष्टि से ये वन बहुत महत्वपूर्ण हैं।इन वनों की आग के प्रति कम प्रतिरोधक क्षमता होती है।

• **कथन 2 सही है:** सागौन और साल शुष्क पर्णपाती प्रकार के सबसे महत्वपूर्ण वृक्ष हैं। धीरे धीरे नम पर्णपाती वनों की तुलना में शुष्क पर्णपाती वनों के आवरित क्षेत्र में वृद्धी हो रही है। इन्हें पर्णपाती (चाहे नम हो या सूखा) कहा जाता है क्योंकि ये गर्मियों में लगभग छह से आठ सप्ताह तक पत्तियां गिरा देते हैं। प्रत्येक प्रजाति का पत्ते झड़ने का अपना समय होता है और किसी भी विशेष समय पर जंगल बिल्कुल खाली नहीं होते हैं।

• **कथन 3 सही है:** उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों को दो समूहों में विभाजित किया गया है: (i) नम, और (ii) शुष्क पर्णपाती। पहले वाले पश्चिमी घाट के पूर्वी ढलान पर पाए जाते हैं।। सागौन इस क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण प्रजाति है। नम पर्णपाती प्रायद्वीप के उत्तर-पूर्वी भाग यानी छोटानागपुर पठार के आसपास, पूर्वी मध्य प्रदेश, दक्षिण बिहार और पश्चिम उड़ीसा में पाए जाते हैं। शिवालिक पहाड़ियों की विशेषता उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन हैं।

Q33: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पानी की हानि को कम करने के लिए कांटेदार और झाड़ियाँ वाले जंगलों में पौधों की पत्तियाँ कांटों के रूप में होती हैं।

2. मैंग्रोव वृक्ष केवल लवणीय जल में ही उग सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• कांटेदार और झाड़ियों वाले वन 75 सेंटीमीटर से कम वर्षा वाले क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। कांटेदार और झाड़ियों वाले वन देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में दक्षिण में सौराष्ट्र से लेकर उत्तर में पंजाब के मैदानी इलाकों तक फैले हुए हैं। पूर्व में ये वन उत्तरी मध्य प्रदेश (मुख्य रूप से मालवा पठार) और दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश तक फैले हुए हैं, जो बुन्देलखण्ड पठार तक फैले हुए हैं।

• **कथन 1 सही है:** कीकर, बबूल, खैर, खजूर कुछ आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष हैं। रेडियल पैटर्न में फैली हुई लंबी जड़ों वाले बिखरे हुए पेड़ सामान्य विशेषताएं हैं । ये जंगल धीरे-धीरे झाड़ियों और कंटीली झाड़ियों में बदल जाते हैं, जो विशिष्ट रेगिस्तानी वनस्पति का निर्माण करते हैं। वाष्पोत्सर्जन के कारण होने वाले पानी की हानि को कम करने के लिए इन वनों और झाड़ियों में पेड़ों में ज्यादातर मोटी और छोटी पत्तियाँ होती हैं। कांटेदार और झाड़ियाँ वाले जंगलों में पौधों की पत्तियाँ कांटों के रूप में होती हैं।

• **कथन 2 गलत है:** तटों और नदियों के किनारे ज्वारीय क्षेत्र मैंग्रोव वनों से ढका हुआ है जो ताजे और खारे पानी दोनों में उग सकते हैं - ज्वारीय क्षेत्रों की प्रमुख विशेषता। सुंदरी एक प्रसिद्ध मैंग्रोव वृक्ष है। इस पेड़ के नाम पर ही गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा के जंगली हिस्सों को सुंदरवन नाम दिया गया है।

Q34: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: -

1. पृथ्वी की सतह पर पदार्थों के अपक्षय के कारण मिट्टी का विकास होता है।

2. भूमि की निरंतर उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी का संरक्षण आवश्यक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** मिट्टी टूटने की प्रक्रिया के माध्यम से मूल चट्टान सामग्री से प्राप्त होती है। अपक्षय पृथ्वी की सतह पर चट्टानों और खनिजों का टूटना या घुलना है। प्रकृति की विभिन्न शक्तियाँ जैसे बदलता तापमान, बहता पानी और हवा आदि मिट्टी के विकास में योगदान करते हैं। मिट्टी की परत में होने वाले रासायनिक और जैविक परिवर्तन भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

• **कथन 2 सही है:** बारीक वनस्पति और जीव अवशेष, जिन्हें ह्यूमस कहा जाता है, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं। दोषपूर्ण कृषि पद्धतियों, वनों की कटाई और अत्यधिक चराई के कारण कई हिस्सों में मिट्टी का क्षरण हुआ है। बेहतर कृषि पद्धतियों, वनीकरण और चराई के दबाव को कम करके मिट्टी को संरक्षित किया जा सकता है।

• भारतीय मिट्टी को आम तौर पर चार व्यापक प्रकारों में विभाजित किया जाता है। ये मिट्टी के प्रकार हैं:

o जलोढ़ मिट्टी

o रेगुर मिट्टी

o लाल मिट्टी

o लैटेराइट मिट्टी।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Q35: जलोढ़ मिट्टी से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इनमें फॉस्फोरिक एसिड और नाइट्रोजनयुक्त पदार्थ की कमी होती है।

2. बांगर नवीन जलोढ़, खादर मिट्टी की तुलना में कम उपजाऊ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या -

• जलोढ़ मिट्टी का वर्णन उनके कणों या कणों के आकार के अलावा उनकी आयु के अनुसार भी किया जाता है।जलोढ़ को दो भागो में विभाजित किया जाता है - पुराने जलोढ़ और नवीन जलोढ़। तथाकथित नवीन जलोढ़ दस हजार वर्ष भी पुराना हो सकता है: स्थानीय स्तर पर पुराने जलोढ़ को बांगर कहा जाता है, और नये जलोढ़ को खादर कहा जाता है। पुराने जलोढ़ में अक्सर कंकर पत्थर होते हैं, उप-मिट्टी में कैल्शियम कार्बोनेट होते हैं। नया जलोढ़ पुराने की तुलना में अधिक उपजाऊ है।

• **कथन 1 गलत है:** आम तौर पर, जलोढ़ मिट्टी में पर्याप्त पोटाश, फॉस्फोरिक एसिड और चूना होता है। हालाँकि, उनमें कार्बनिक और नाइट्रोजनयुक्त सामग्री की कमी है।

• **कथन 2 गलत है:** समग्र रूप से जलोढ़ मिट्टी बहुत उपजाऊ होती है। नया जलोढ़ पुराने की तुलना में अधिक उपजाऊ है। आम तौर पर इनमें पर्याप्त मात्रा में पोटाश, फॉस्फोरिक एसिड और चूना होता है।उनमें कार्बनिक और नाइट्रोजनयुक्त सामग्री की कमी है। शुष्क क्षेत्रों की मिट्टी अधिक क्षारीय होती है। जलोढ़ मिट्टी आधी से अधिक भारतीय आबादी का भरण-पोषण करती है।

प्रश्न 36. निम्नलिखित में से कौनसा कृषि आधारित उद्योगों के उदाहरण हैं?

1. कपास उद्योग

2. चीनी और खाद्य तेल

3. सीमेंट उद्योग

4. जूट उद्योग

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर का चुनाव करे :-

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 1, 2 और 4

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) 1,2,3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या -

• कृषि आधारित उद्योग वे उद्योग हैं जो अपना कच्चा माल कृषि उपज जैसे कपास, जूट, चीनी, खाद्य तेल आदि से प्राप्त करते हैं।

• कपड़ा, चीनी, वनस्पति तेल और बागान उद्योग अपना कच्चा माल कृषि से प्राप्त करते हैं। इसलिए इन्हें कृषि आधारित उद्योग कहा जाता है। अत: विकल्प B. सही है।

प्रश्न 37. निम्नलिखित में से कौन सा/से भूमध्यरेखीय वनों की विशेषता/विशेषताएं है/हैं?

1. इनकी ऊचाई अधिक होती है और ये झूंडनुमा संरचना में पाए जते हैं, जिससे ये शीर्ष पर कैनोपी का निर्माण करते हैं।

2. प्रजातियों की अत्यधिक विविधता ।

3. एपिफाइट्स की विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या - • **कथन 1 सही है**: भूमध्यरेखीय वर्षावनों में वनस्पति की विशेषता ऊँचे वृक्ष हैं | जो कि एक घनी छतरीनुमा संरचना बनाते हैं ,जो वन तल को छाया देते हैं, जिससे एक बहुस्तरीय पारिस्थितिकी तंत्र बनता है।

• **कथन 2 सही है:** इन वनों में पेड़ों, पौधों, कीड़ों, पक्षियों, स्तनधारियों और अन्य जीवों की असंख्य प्रजातियाँ हैं| जिनमें से कई इन क्षेत्रों के लिए स्थानिक हैं। यह बड़ी संख्या में प्रजातियों के सह-अस्तित्व की विशेषता है।

• **कथन 3 सही है:** भूमध्यरेखीय वर्षावन पृथ्वी पर सबसे विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से हैं |जिनमें पौधों और जानवरों की प्रजातियों की अविश्वसनीय रूप से समृद्ध विविधता पाई जाती है। इसकी विशेषता एपिफाइट्स की कई किस्मों की उपस्थिति है।

• 28°C के औसत दैनिक तापमान के साथ बहुत गर्म। तापमान कभी भी 20°C से नीचे नहीं जाता और कभी-कभार ही 35°C से अधिक होता है।

• जब हवा में बहुत अधिक नमी होती है तो वातावरण गर्म और आर्द्र होता है।

प्रश्न 38. भारत को "जनसांख्यिकीय लाभांश" वाला देश माना जाता है। इसकी वजह है:-

(a) इसकी कुल जनसंख्या 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की अधिकता

(b) इसकी कुल जनसंख्या 15-64 वर्ष के आयु वर्ग की अधिकता

(c) इसकी कुल जनसंख्या 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में अधिकता

(d) इसकी कुल जनसंख्या अधिक है

उत्तर: (b)

व्याख्या -

• जनसांख्यिकीय लाभांश एक अर्थव्यवस्था में वृद्धि को संदर्भित करता है ,जो किसी देश की जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव का परिणाम है। आयु संरचना में परिवर्तन आम तौर पर प्रजनन और मृत्यु दर में गिरावट के कारण होता है।

• भारत को "जनसांख्यिकीय लाभांश" वाला देश माना जाता है। इसका कारण यह है कि इसकी अधिकतम जनसंख्या 15-64 वर्ष के आयु वर्ग में है।

• भारत हर साल कामकाजी उम्र की आबादी में 12 मिलियन लोगों को जोड़ता है| अगर इस कार्यबल को उपर्युक्त कौशल प्रदान नही किया तो यह तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश एक जनसांख्यिकीय आपदा बन सकता है। अत: विकल्प (B) सही है।

Q39. भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश कम से कम 2055-56 तक जारी रहने की उम्मीद है, भारत द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

1. अंतर-क्षेत्रीय सहयोग

2. कार्यस्थल पर लैंगिक अंतर को कम करना

3. युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करना

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** किशोरों के भविष्य की रक्षा के लिए बेहतर अंतर-क्षेत्रीय समन्वय तंत्र स्थापित करना महत्वपूर्ण है। हमारे किशोरों के सामने आने वाली समस्या को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए, विभागीय समन्वय से बेहतर समाधान और अधिक दक्षता प्राप्त हो सकती है।

• **कथन 2 सही है:** महिलाओं और लड़कियों को अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी के लिए उपयुक्त नए अवसर और कौशल प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है।

• **कथन 3 सही है:** चाहे कोई बच्चा शहरी या ग्रामीण परिवेश में पब्लिक स्कूल में जाता हो, उन सभी को हाई स्कूल पूरा करना होगा और श्रम बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रासंगिक प्रशिक्षण, शिक्षा और कैरियर के अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

Q40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. भारतीय हिमालय क्षेत्र में 10 से अधिक राज्य शामिल हैं।

2. सिल्वर फर, और बर्च जैसे वृक्ष 1000 - 1500 मीटर की ऊंचाई के बीच पाए जाते हैं।

3. ब्लू पाइन और स्प्रूस हिमालय श्रंखला में पाए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** भारतीय हिमालयी क्षेत्र 13 भारतीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल) में फैला हुआ है।विस्तार 2500 किमी तक फैला हुआ है।

• **कथन 2 गलत है**: हिमालय क्षेत्र में कई स्थानों पर शीतोष्ण घास के मैदान भी पाए जाते हैं। लेकिन ऊंचे इलाकों में अल्पाइन वनों और चरागाहों क्षेत्रो में संक्रमण होता है। सिल्वर फर, बर्च, जुनिपर, पाइंस, और रोडोडेंड्रोन आदि 3,000-4,000 मीटर के बीच पाए जाते हैं।

• **कथन 3 सही है:** 1,500-1,750 मीटर के बीच, हिमालय क्षेत्र में चीड़ के जंगल भी अच्छी तरह से विकसित हैं, जिसमें चिर चीड़ एक बहुत ही उपयोगी व्यावसायिक पेड़ है। ब्लू पाइन और स्प्रूस 2,225-3,048 मीटर की ऊंचाई पर दिखाई देते हैं।

Q41. जब आप हिमालय में यात्रा करेंगे, तो आप निम्नलिखित देखेंगे:

1. गहरी घाटियाँ

2. यू-टर्न नदी पाठ्यक्रम

3. समानांतर पर्वत श्रृंखलाएँ

4. खड़ी ढालें जिनका निर्माण भूस्खलन के कारण हुआ हैं |

उपरोक्त में से किसे हिमालय के युवा वलित पर्वत होने का प्रमाण कहा जा सकता है?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** हिमालय नवीन वलित पर्वत है, जैसा कि गहरी घाटियों के अस्तित्व से पता चलता है। पर्वत श्रृंखला को काटने वाली नदियाँ नष्ट हो गईं, जिससे ये घाटियाँ बन गईं।

• **कथन 2 सही है:** यू-टर्न नदी पाठ्यक्रमों का अस्तित्व हिमालय के युवा होने का प्रमाण प्रदान करता है। पहाड़ों की अस्थायी संरचना और गंभीर ग्रेड के कारण नदियाँ अक्सर अपना मार्ग बदलती रहती हैं।

• **कथन 3 सही है:** हिमालय पर्वत की तीन समानांतर श्रृंखलाएँ हैं हिमाद्रि (महान हिमालय या भीतरी हिमालय), हिमाचल (लघु हिमालय), शिवालिक (बाहरी हिमालय), हिमाद्रि (महान हिमालय या भीतरी हिमालय) - यह सबसे स्थिर है और हिमालय की सतत श्रृंखला। ये समानांतर पर्वत श्रृंखलाएँ हिमालय के युवा वलित पर्वत होने का प्रमाण प्रदान करती हैं।

• **कथन 4 सही है:** हिमालय के युवा वलित पर्वत होने का प्रमाण तीव्र ढालों से मिलता है। हिमालय में अक्सर होने वाले भूस्खलन का एक कारण उनकी तीव्र श्रेणी है। पहाड़ों को प्रभावित करने वाली विवर्तनिक शक्तियां अभी भी अस्थिरता और ढलान विफलताएं पैदा कर रही हैं क्योंकि पहाड़ उनके प्रति प्रतिक्रिया करते हैं।

Q42. हाल ही में हुंगा टोंगा – हुंगा हापाई ज्वालामुखी खबरों में था। यह स्थित है:-

(a) प्रशांत महासागर

(b) हिंद महासागर

(c) अटलांटिक महासागर

(d) आर्कटिक महासागर

उत्तर: (a)

व्याख्या -

- हुंगा टोंगा – हुंगा हापाई ज्वालामुखी पश्चिमी दक्षिण प्रशांत महासागर में, टोंगा साम्राज्य द्वारा बसे द्वीपों के पश्चिम में है।
- यह टोफुआ आर्क के साथ समुद्र के नीचे 12 पुष्ट ज्वालामुखियों में से एक है, जो बड़े केरमाडेक-टोंगा ज्वालामुखी आर्क का एक खंड है। **तो, विकल्प (a) सही है।**

• वर्ष 2023 में अभूतपूर्व तापमान दर्ज किया गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका एक कारण 2022 में दक्षिण प्रशांत में हंगा टोंगा का पानी के नीचे ज्वालामुखी विस्फोट हो सकता है।

Q43. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. प्राकृतिक सीवेज उपचार संयंत्र के रूप में कार्य करते हैं।

2. जैव विविधता की एक विशाल श्रृंखला का को बनाये रखने में सहायता करते है ।

3. तट को कटाव से बचाने के लिए एक स्थिर सीमा सुरक्षा बल के रूप में कार्य करते है ।

4. उत्तर दिशा से भारत में ठंडी महाद्वीपीय हवा के मार्ग को बाधित करते है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन मैंग्रोव वनों की प्रमुख भूमिका का वर्णन करते है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• मैंग्रोव वन आम तौर पर विश्व में 25 डिग्री उत्तर और 25 डिग्री दक्षिण अक्षांश के बीच उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के समुद्र तट पर पाए जाते हैं। मैंग्रोव तटीय क्षेत्रों, डेल्टाओं, ज्वारीय खाड़ियों, मिट्टी के मैदानों और नमक दलदलों के किनारे स्थित हैं।

• **कथन 1 सही है:** मैंग्रोव वन एक प्राकृतिक सीवेज उपचार संयंत्र के रूप में कार्य करते हैं। मैंग्रोव इंटरटाइडल वेटलैंड्स में प्राकृतिक अपशिष्ट जल उपचार की काफी संभावनाएं हैं, और उच्च पादप प्रजातियों पर कोई हानिकारक प्रभाव पैदा करने की संभावना नहीं है।

• **कथन 2 सही है**: जैव विविधता उन प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक है जो मनुष्यों सहित पृथ्वी पर सभी जीवो का समर्थन करती हैं। जैव विविधता के स्वर्ग के रूप में, मैंग्रोव पौधों और जानवरों की एक विशाल विविधता का समर्थन करते हैं| जिनमें से कई खाद्य उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे युवा मछलियों के लिए नर्सरी और मधुमक्खियों के लिए आवास के रूप में कार्य करते हैं।

• **कथन 3 सही है:** मैंग्रोव तट को कटाव से बचाने के लिए एक स्थिर सीमा सुरक्षा बल के रूप में कार्य करते हैं। तूफान जैसी प्राक्रतिक आपदाओ के दौरान उनके प्रभावों को कम करते है |

• **कथन 4 गलत है:** महान हिमालय श्रृंखला सर्दियों में उत्तर से भारत में ठंडी महाद्वीपीय हवा के मार्ग में बाधा डालती है और दक्षिण-पश्चिमी मानसून को आकर्षित करती है।

प्रश्न 44. हाल ही में केरल तट पर मॉनसून सामान्य समय की तुलना में विलम्ब से पहुँचा | इस विलम्ब का कारण क्या हो सकता है?

(a) अरब सागर में चक्रवाती परिसंचरण के कारण केरल तट पर बादलों का आवरण कम हो गया है।

(b) केरल तट पर लगातार पांच दिनों तक वर्षा गतिविधि का रुकना।

(c) केरल तट पर नमी की मात्रा में उल्लेखनीय कमी।

(d) केरल तट पर पश्चिमी विक्षोभ का शीघ्र आगमन।

उत्तर: (a)

व्याख्या -

- भारत के दक्षिणी केरल तट पर मानसून की शुरुआत में दो-तीन दिनों की देरी हो रही है क्योंकि अरब सागर में चक्रवाती परिसंचरण के गठन से केरल तट पर बादलों का आवरण कम हो गया है। **अत: विकल्प (a) सही है।**
- भारतीय कृषि पूर्णत:मानसून पर निर्भर है और मानसून में विलम्ब विभिन्न फसलो के उत्पादन को प्रभावित करता है।

प्रश्न 45. पश्चिमी विक्षोभ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. ये उत्तर पश्चिम भारत में शीतकालीन वर्षा लाने के लिए उत्तरदायी हैं।

2. ये भारत में किसानों को उनकी ख़रीफ़ फसल उगाने में मदद करते हैं।

3. ये बर्फबारी के प्राथमिक स्रोत हैं जो सर्दियों के दौरान हिमालय के ग्लेशियरों को भर देते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती तूफानों की एक श्रृंखला है जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होती है, और उत्तर पश्चिम भारत में सर्दियों की बारिश लाने के लिए 9,000 किमी से अधिक की यात्रा करती है।

• **कथन 2 गलत है:** कम दबाव वाली तूफान प्रणालियाँ भारत में किसानों को उनकी रबी फसल उगाने, हिमालय में बर्फ लाने और उत्तरी नदियों के प्रवाह को बनाए रखने में मदद करती हैं। वे उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम नामक पवन प्रणाली द्वारा भारत में पहुंचते हैं |

• **कथन 3 सही है:** यह वर्षा का मुख्य स्रोत है जो सर्दियों में हिमालय के ग्लेशियरों को फिर से भर देता है। गंगा, सिंधु और यमुना जैसी प्रमुख हिमालयी नदियाँ, साथ ही कई पहाड़ी झरने और नदियाँ, इन ग्लेशियरों से पोषित होती हैं।

Q46: कपास की फसल से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: -

1. दक्कन के पठार की काली कपासी मिट्टी कपास की फसल बेहतर स्तिथि प्रदान करती है।

2. यह एक रबी फसल है और इसके विकास के लिए 210 पाले से मुक्त दिन और तेज धूप की आवश्यकता होती है।

3. कपास जल जमाव के प्रति संवेदनशील है और इसके लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• कपास के पौधे का मूल भारत है। पिछली सभ्यताओं के अवशेषों से पता चलता है कि उन दिनों भारत में कपास का उत्पादन होता था। यह सूत कातने और सूती कपड़े बुनने का काम करता था और उन्हें मध्य-पूर्व के देशों में निर्यात करता था। बेबीलोन सभ्यता के लोग कपास को सिन्धु और यूनान के लोग सिन्डन नाम से पुकारते थे।

• **कथन 1 सही है:** दक्कन पठार की 'काली कपास मिट्टी' के सूखे भाग कपास की फसल के लिए बेहतर स्तिथि प्रदान करते है। परंपरागत रूप से प्रमुख उत्पादक राज्य गुजरात और महाराष्ट्र हैं। अन्य उत्पादक राज्यों में पंजाब, कर्नाटक, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश शामिल हैं।

• **कथन 2 गलत है:** इसके विकास के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 ठंडी-मुक्त दिन और उज्ज्वल सूरज की रोशनी की आवश्यकता होती है। यह एक ख़रीफ़ फसल है और इसे पकने में 6 से 8 महीने लगते हैं।

• **कथन 3 सही है:** कपास लवणता के प्रति अर्ध-सहिष्णु है और जल जमाव के प्रति संवेदनशील है और इसके उत्पादन के लिये बेहतर जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है।

Q47. निम्नलिखित युग्मो पर विचार करें:

पशु नस्ल	विशेषताएँ
1. मांडा भैंस	पूर्वी घाट की भौगोलिक परिस्तिथियों के अनुकूल
2. मोन्युल गाय	मोनपा समुदाय द्वारा पाली जाती है
3. भंगोर भैंस	त्रिपुरा की दलदली भैंस

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• **युग्म (1) सही है:** मांडा भैंस की भैंस की एक प्रजाति है | यह पूर्वी घाट की पहाड़ी श्रृंखलाओं और ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र के पठार के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित है | और इसे सूखे, दूध और खाद के लिए पाला जाता है। दैनिक दूध उत्पादन 1.2 से 3.7 किलोग्राम के बीच होता है और औसत दूध वसा 8.4 होती है

• **युग्म (2) सही है:** अरुणाचल प्रदेश के त्वांग और पश्चिम कामेंग जिलों के मोन्युल मवेशी। मोन्युल मवेशियों को मोनपा समुदाय द्वारा दूध, खाद और ड्राफ्ट के लिए पाला जाता है और ये सिक्किम के सिरी मवेशियों से छोटे होते हैं। मोन्युल गायें आम तौर पर एक दिन में 2 से 3 किलो दूध देती हैं

• **युग्म (3) सही है:** त्रिपुरा की भंगोर भैंसें मध्यम आकार की दलदली प्रकार (48 गुणसूत्र) वाली होती हैं| जो आम तौर पर भूरे से भूरे-काले बालों वाली होती हैं। दूध की मात्रा 1.5 से 2.5 लीटर/दिन के बीच होती है।

Q48: 'बाजरे' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: -

1. संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (IYM) घोषित किया।

2. एशिया में बाजरे के कुल उत्पादन में भारत का योगदान लगभग 70% से अधिक है।

3. भारत में बाजरा की औसत उपज विश्व की औसत उपज से अधिक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मार्च 2021 के दौरान अपने 75वें सत्र में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (IYM) घोषित किया।

• **कथन 2 सही है:** भारत 50.9 मिलियन टन (चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार) से अधिक बाजरे का उत्पादन करता है, जो कि एशिया का 80 प्रतिशत और वैश्विक उत्पादन का 20 प्रतिशत है।

• **कथन 3 सही है:** वैश्विक औसत उपज 1229 किग्रा/हेक्टेयर है, जबकि भारत की औसत उपज 1239 किग्रा/हेक्टेयर अधिक है।

Q49. "हिमनदों के निवर्तन" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये?

1. यह उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जहां ग्लेशियर का आकार अचानक बढ़ जाता है।

2. ग्लेशियर से पिघलने वाली बर्फ की मात्रा नई बर्फ या बर्फ के संचय की मात्रा से अधिक होती है।

3. टेक्टोनिक प्लेटों की गति से हिमनदों के पीछे हटने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• **कथन 1 गलत है:** हिमनदों का पीछे हटना समय के साथ ग्लेशियर के आकार में सिकुड़ने या घटने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। हिमनदों के पीछे हटने के कारण जटिल हो सकते हैं और अक्सर एक दूसरे से जुड़े होते हैं। इसका एक प्राथमिक कारण वैश्विक तापमान में वृद्धि है, जिसका मुख्य कारण मानव-जनित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन है।

• **कथन 2 सही है:** यह तब होता है जब ग्लेशियर से बर्फ के पिघलने या उर्ध्वपातन की मात्रा नई बर्फ या बर्फ के संचय की मात्रा से अधिक हो जाती है।

• **कथन 3 गलत है:** तापमान में इस वृद्धि से ग्लेशियर अधिक तीव्रता से पिघलता है। वर्षा के पैटर्न में बदलाव से हिमनदों की वापसी पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि कम बर्फबारी या बारिश का मतलब कम बर्फ जमा होना है।

Q50. हाल ही में ड्वोरक तकनीक खबरों में थी , यह तकनीक किससे संबंधित है:-

(a) भूकंप की तीव्रता मापने के लिए

(b) उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की तीव्रता को मापने के लिए

(c) वनों के संरक्षण के नए तरीके

(d) एनसीआर के प्रदूषण को कम करने के लिए

उत्तर: (b)

व्याख्या -

• ड्वोरक तकनीक एक क्लाउड पैटर्न रिकग्निशन तकनीक (सीपीआरटी) है, जो उष्णकटिबंधीय चक्रवात के विकास और क्षय के एक अवधारणा मॉडल पर आधारित है। यह उष्णकटिबंधीय चक्रवातों (टीसी) की तीव्रता का अनुमान लगाने के लिए एक सांख्यिकीय पद्धति है। **अत: विकल्प (b) सही है।**

• इसे पहली बार 1969 में विकसित किया गया था और उत्तर पश्चिमी प्रशांत महासागर में तूफानों का अवलोकन करने के लिए इसका परीक्षण किया गया था।

• उपग्रह चित्रों से यह तकनीक पूर्वानुमानकर्ताओं को चक्रवातो की देखी गई संरचना से एक पैटर्न पहचानने, उसकी आंख का पता लगाने और चक्रवात की तीव्रता का अनुमान लगाने में मदद करती है।

Q51. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह ग्रह पर सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी है।

2. यह हवाई द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप है।

3. यह किलाउआ ज्वालामुखी के ठीक उत्तर में स्थित है।

उपरोक्त कथनों में निम्नलिखित में से किस ज्वालामुखी का वर्णन किया गया है?

(a) मोनालोआ

(b) माउंट एटना

(c) माउंट पिनाटूबो

(d) माउंट पीली

उत्तर: (a)

व्याख्या -

मोनालोआ:

• मोनालोआ ग्रह पर सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी है। यह अपने आकार में व्यापक, गोलाकार ढलानों द्वारा दर्शाया गया सर्वोत्कृष्ट ढाल ज्वालामुखी है। ज्वालामुखी हवाई द्वीप का लगभग 51% हिस्सा बनाता है और समुद्र तल से 13,681 फीट ऊपर है।

• मौनालोआ उन पाँच ज्वालामुखियों में से एक है जो मिलकर हवाई के बड़े द्वीप का निर्माण करते हैं। यह हवाई द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप है।

• मौनालोआ किलाउआ ज्वालामुखी के ठीक बगल में स्थित है | जिसके शिखर क्रेटर में वर्तमान में विस्फोट हो रहा है। **अत: विकल्प (a) सही है ।**

Q52. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. बैरेन द्वीप ज्वालामुखी भारतीय क्षेत्र में स्थित एक सक्रिय ज्वालामुखी है।

2. बैरेन द्वीप ग्रेट निकोबार से लगभग 140 किमी पूर्व में स्थित है।

3. आखिरी बार बैरेन द्वीप ज्वालामुखी 1991 में सक्रिय हुआ था और तब से यह निष्क्रिय है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

• **कथन 1 सही है:** बैरेन द्वीप अंडमान सागर में स्थित एक द्वीप है। यह भारतीय उपमहाद्वीप में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है और सुमात्रा से म्यांमार तक ज्वालामुखियों की श्रृंखला में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है।

• **कथन 2 गलत है:** यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के भारतीय केंद्र शासित प्रदेश का एक हिस्सा है | और क्षेत्र की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से लगभग 140 किमी उत्तर पूर्व में स्थित है।

• **कथन 3 गलत है:** 1991 के बाद से, बैरेन द्वीप ज्वालामुखी कई बार फटा है। 2023 में बैरेन द्वीप पर 15,000 फीट की ऊंचाई तक राख के साथ एक विस्फोट हुआ। मार्च 2020 में उपग्रह चित्रों में बैरेन द्वीप ज्वालामुखी से राख उत्सर्जन दिखाया गया।

Q53. शीत लहर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह तब माना जाता है जब मैदानी इलाकों के लिए किसी स्टेशन का न्यूनतम तापमान 10°C या उससे कम हो।

2. शीत लहर हृदयाघात का कारण बन सकती है।

3. शीत लहर के लिए कोहरे वाली रातें, पश्चिमी हवाएं जैसे कारक जिम्मेदार हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या -

कथन 1 सही है: आईएमडी के अनुसार, शीत लहर तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का न्यूनतम तापमान मैदानी इलाकों के लिए 10°C या उससे कम और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 0°C या उससे कम होता है। जबकि तटीय स्टेशनों के लिए जब न्यूनतम तापमान गिरावट -4.5 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होता है, या यदि न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस या उससे कम हो तो "शीत लहर" के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

कथन 2 सही है: इसका मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, जिसमें खांसी और सर्दी, ब्रोंकाइटिस और श्वसन रोग, रक्तचाप के समस्याएं, त्वचा की समस्याएं और यहां तक कि सूरज की रोशनी की कमी के कारण हड्डी, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द शामिल है। यह आपके हृदय और रक्त-संचार संबंधी समस्याओं, जैसे हृदयाघात और स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकता है।

• **कथन 3 सही है:** शीत लहर के लिए विभिन्न कारक जिम्मेदार हैं जैसे बड़े पैमाने पर कोहरा, मेघाच्छादित रात्रि, पश्चिमी हवाएँ।

प्रश्न 54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. फरक्का बैराज परियोजना बांग्लादेश और भारत के बीच गंगा जल साझा करने की सुविधा प्रदान करती है।

2. फरक्का बैराज परियोजना को भागीरथी-हुगली जलमार्ग की नौवहन गहराई बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था।

3. जंगीपुर बैराज का निर्माण भागीरथी नदी पर किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** 1996 में फरक्का में गंगा जल बंटवारे पर बांग्लादेश और भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित संधि के अनुसार फरक्का बैराज परियोजना बांग्लादेश और सरकार के बीच गंगा जल के बंटवारे की सुविधा भी प्रदान करती है।

• **कथन 2 सही है:** फरक्का बैराज परियोजना (एफबीपी) को 1975 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह (तत्कालीन कोलकाता बंदरगाह) के संरक्षण और रखरखाव और भागीरथी - हुगली जलमार्ग की नौवहन गहराई को बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था।

• **कथन 3 सही है:** जंगीपुर बैराज का निर्माण गंगा नदी के निकट भागीरथी नदी पर किया गया है। जंगीपुर बैराज का मुख्य कार्य भागीरथी में गंगा जल के प्रवाह को नियंत्रित करना है और इसके विपरीत। इसमें 12.20 मीटर स्पान के 15 गेट हैं। जंगीपुर बैराज के साथ-साथ बाईपास चैनल पर एक नेविगेशनल लॉक का भी निर्माण किया गया था।

प्रश्न 55. पोलावरम सिंचाई परियोजना (पीआईपी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. यह कृष्णा नदी पर एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है।

2. परियोजना में जल विद्युत उत्पादन की परिकल्पना की गई है।

3. परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया है।

दिए गए कथनों में से कितने कथन ग़लत हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• **कथन 1 ग़लत:** पोलावरम सिंचाई परियोजना (पीआईपी) आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में पोलावरम मंडल के रामय्यापेटा गांव के पास गोदावरी नदी पर एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है | पोलावरम सिंचाई परियोजना में अधिकतम सिंचाई क्षमता बनाने के लिए बांध का निर्माण किया गया है।

• **कथन 2 सही है:** परियोजना में 960 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन, 611 गांवों में 28.50 लाख की आबादी के लिए पेयजल आपूर्ति और कृष्णा नदी बेसिन में 80 टीएमसी पानी के डायवर्जन की भी परिकल्पना की गई है।

• **कथन 3 सही है:** परियोजना को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा 90 के अनुसार राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया है।

Q56. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. देश में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता क्रमशः कम होती जा रही है।

2. 1,000 घन मीटर से कम वार्षिक प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता को जल की कमी की स्थिति माना जाता है।

दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता कीसी देश की जनसंख्या पर निर्भर है। देश में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता लगातार कम हो रही है। वर्ष 2001 और 2011 में औसत वार्षिक प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता क्रमशः 1,816 घन मीटर और 1,545 घन मीटर आंकी गई थी, जो जनसंख्या में वृद्धि के कारण और कम हो सकती है।

• **कथन 2 सही है:** 1,700 घन मीटर से कम वार्षिक प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता को जल-तनाव की स्थिति माना जाता है, जबकि 1,000 घन मीटर से कम वार्षिक प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता को जल कमी की स्थिति माना जाता है।

प्रश्न 57. निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार करें:

बांध	नदी
1. गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना	वैनगंगा
2. शाहपुर कंडी बांध	ब्यास
3. लखवार बांध	यमुना

दिए गए युग्मो में से कितने युग्म गलत है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a).

व्याख्या

• **युग्म 1 सही है:** गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना जिसे इंदिरा सागर सिंचाई परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, महाराष्ट्र में वैनगंगा नदी पर भंडारा जिले में गोदावरी बेसिन की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में से एक है।

• **युग्म 2 गलत है:** शाहपुर कंडी बांध परियोजना पंजाब के पठानकोट जिले में रावी नदी पर स्थित है। यह एक जलविद्युत ऊर्जा योजना है।

• **युग्म 3 सही है:** लखवार परियोजना उत्तराखंड के देहरादून जिले में यमुना नदी पर स्थित लखवार व्यासी बहुउद्देशीय योजना का एक हिस्सा है। लखवार व्यासी परियोजना के तीन प्रमुख घटक हैं- लखवार बांध, व्यासी बांध और कटापत्थर बैराज।

प्रश्न 58. हेमेटाइट अयस्क के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. हेमेटाइट अयस्क के मुख्य भंडार क्योंझर और बैलाडीला में हैं।

2. यह अपनी विशिष्ट लाल-भूरी से काली धात्विक चमक के लिए जाना जाता है।

3. यह सामान्यतः आग्नेय चट्टान में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** भारत दुनिया में हेमेटाइट और लौह अयस्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। ओडिशा राज्य, विशेष रूप से क्योंझर और सुंदरगढ़ जिले, अपने समृद्ध हेमेटाइट भंडार के लिए जाने जाते हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़ (बैलाडिला) और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में भी महत्वपूर्ण हेमेटाइट संसाधन हैं।

• **कथन 2 सही है:** हेमेटाइट एक खनिज है और आयरन ऑक्साइड का एक सामान्य रूप है। यह अपनी विशिष्ट लाल-भूरी से काली धात्विक चमक के लिए जाना जाता है। "हेमेटाइट" नाम ग्रीक शब्द "हैमा" से लिया गया है, जिसका अर्थ है रक्त, जब यह पाउडर या बारीक दाने के रूप में होता है तो इसका रंग लाल हो जाता है।

• **कथन 3 गलत है:** हेमेटाइट आमतौर पर तलछटी चट्टानों में पाया जाता है, विशेष रूप से रासायनिक या जैव रासायनिक मूल की चट्टानों में। यह पानी के घोल से अवक्षेप के रूप में या जलीय वातावरण में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के परिणामस्वरूप बनता है। हेमेटाइट का तलछटी जमाव बैंडेड लौह संरचनाओं (बीआईएफ) में हो सकता है, जो लौह अयस्क के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

Q 59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. बिटुमिनस कोयले हाइड्रोफोबिक होते हैं।

2. लिग्नाइट भारत में मुख्यतः जम्मू एवं कश्मीर में पाया जाता है

3. पीट क्षय का कोयले में परिवर्तन का अंतिम चरण है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a).

व्याख्या -

कोयले को चार मुख्य प्रकारों या श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: एन्थ्रेसाइट, बिटुमिनस, सबबिटुमिनस और लिग्नाइट। वर्गीकरण कोयले में मौजूद कार्बन के प्रकार और मात्रा तथा कोयला पैदा कर सकने वाली ऊष्मा ऊर्जा की मात्रा पर निर्भर करती है।

• **कथन 1 सही है:** बिटुमिनस कोयले हाइड्रोफोबिक होते हैं, आसानी से तैरते हैं |

• **कथन 2 ग़लत है:** भारत में एन्थ्रेसाइट कोयला केवल जम्मू और कश्मीर में पाया जाता है और वह भी कम मात्रा में।

• **कथन 3 गलत है:** परिवर्तन का पहला चरण। इसमें पर्याप्त अस्थिर पदार्थ और बहुत अधिक नमी होती है (अधिक धुआं और अधिक प्रदूषण) ।

Q60. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये :-

	जनजाति	**प्रमुखता से पाये जाते हैं (देश में)**
1.	बुशमेन	बोत्सवाना
2.	हौसा	केन्या

3. ज़ुलु नाइजीरिया

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुम्मेलित है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपरोक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या -

• **युग्म 1 सही है:** सैन दक्षिणी अफ्रीका के सबसे पुराने निवासी हैं, जहां वे कम से कम 20,000 वर्षों से रह रहे हैं। कई अलग-अलग सैन समूह हैं - उनका अपना कोई सामूहिक नाम नहीं है| शब्द 'बुशमैन' डच शब्द 'बॉसीज़मैन' से आया है जिसका अर्थ है 'दस्यु' या 'डाकू'। वे मुख्य रूप से बोत्सवाना, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका, अंगोला और ज़िम्बाब्वे में रहते हैं।

• **युग्म 2 गलत है:** हौसा, लोग मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया और निकटवर्ती दक्षिणी नाइजर में पाए जाते हैं। वे क्षेत्र में सबसे बड़े जातीय समूह का गठन करते हैं।

• **युग्म 3 गलत है:** ज़ुलु लोग दक्षिण अफ्रीका के क्वाज़ुलु-नटाल प्रांत में न्गुनी भाषी लोग हैं। वे दक्षिणी बंटू की एक शाखा हैं और स्वाज़ी और ज़ोसा के साथ उनके घनिष्ठ जातीय, भाषाई और सांस्कृतिक संबंध हैं।

प्रश्न61. निम्नलिखित युग्मो पर विचार करें:

बस्तियों के प्रकार	**विशेषता**
1. तारे जैसा पैटर्न	पहाड़ी के चारों ओर अधिवास
2. रैखिक अनुदिश	वे स्थान जहाँ अनेक सड़कें मिलती हैं
3. नीहारिका	सड़कों के किनारे अधिवास

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपरोक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या -

• **युग्म 1 गलत है:** ग्रामीण बस्तियों का सितारा जैसा पैटर्न उन स्थानों पर विकसित होता है, जहां कई सड़कें मिलती हैं। वास्तव में ऐसी बस्तियाँ बस्तियों के नोडल स्थानों से जुड़ी होती हैं जहाँ कई सड़कें एक स्थल पर मिलती हैं और घरों की कतारें सभी दिशाओं में सड़कों के किनारे फैली होती हैं।

• **युग्म 2 गलत है:** रैखिक बस्तियाँ वे हैं जो अकेले विकसित होती हैं और मुख्य रूप से सड़कों, रेलवे पटरियों, नहरों आदि के साथ एक रैखिक आकार प्राप्त करती हैं।

• **युग्म 3 गलत है:** जब किसी बस्ती का आकार निहारिका जैसा दिखता है, तो इसे ग्रामीण बस्ती का निहारिका पैटर्न कहा जाता है। ये बस्तियाँ किसी पहाड़ी या टीले पर हो सकती हैं, इनका आकार आम तौर पर छोटा होता है।

प्रश्न 62. भारत की जनगणना शहरी क्षेत्र को इस प्रकार परिभाषित करती है:

1. न्यूनतम जनसंख्या पाँच हजार।

2. कम से कम दो-तिहाई पुरुष कामकाजी आबादी गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हो।

3. जनसंख्या का घनत्व कम से कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या -

• भारत की जनगणना के अनुसार शहरी क्षेत्र की परिभाषा:

o न्यूनतम जनसंख्या 5000

o कम से कम 75 प्रतिशत पुरुष कामकाजी आबादी गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियों में लगी हुई है।

o जनसंख्या का घनत्व कम से कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी। **तो, विकल्प (b) सही है।**

• वैधानिक शहरी प्रशासनिक इकाइयों जैसे नगर निगम, नगर पालिका, छावनी बोर्ड, अधिसूचित नगर क्षेत्र समिति, नगर पंचायत, नगर पालिका आदि के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों को वैधानिक शहर के रूप में जाना जाता है।

Q63.निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. खेतिहर मजदूरों के कुछ परिवारों में एकत्रित आप्रवासन से हेमलेटेड बस्तियाँ विकसित हो सकती हैं।

2. उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में बिखरी हुई बस्तियाँ पायी जाना सामान्य स्तिथि हैं।

दिए गए कथनों में से कितने गलत हैं/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या -

• **कथन 1 सही है:** सेमी-कॉम्पैक्ट बस्ती या हेमलेटेड बस्तियाँ एक मध्यस्थ प्रकार की बस्ती है |जो एक आसानी से पहचाने जाने योग्य साइट की उपस्थिति और फुटपाथों, गाड़ी-पटरियों द्वारा मुख्य साइट से निकटता से जुड़ी हुई एक या अधिक छोटी बस्तियों की उपस्थिति से चिह्नित होती है। या सड़कें. विकास का एक मुख्य कारण आप्रवासन है जो गाँव के बाहर से खेतिहर मजदूरों के कुछ परिवारों में एकत्र हुआ।

• **कथन 2 सही है:** बिखरी हुई बस्तियों की विशेषता पूरे गाँव की भूमि पर खेत-खलिहानों का पूर्ण प्रसार है। बिखरी हुई बस्तियों का मुख्य कारण पहाड़ी और जंगली क्षेत्र, खराब मिट्टी, कृषि योग्य भूमि की कमी आदि हैं। ये उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तराई क्षेत्रों जैसे कृषि क्षेत्रों में भी पाए जाते हैं।

प्रश्न 64. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प विकास का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

(a) आकार में वृद्धि

(b) गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन

(c) आकार में एक स्थिरता

(d) गुणवत्ता में एक साधारण परिवर्तन

उत्तर: (b)

व्याख्या

• विकास का अर्थ है गुणात्मक परिवर्तन जो हमेशा मूल्य सकारात्मक होता है। इसका मतलब यह है कि जब तक मौजूदा स्थितियों में कोई वृद्धि या बढ़ोतरी न हो तब तक विकास नहीं हो सकता।

• विकास तब होता है जब सकारात्मक वृद्धी होती है। फिर भी, सकारात्मक वृद्धि से हमेशा विकास नहीं होता है। विकास तब होता है जब गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है। **अत: विकल्प (b) सही है।**

प्रश्न 65. निम्नलिखित पर विचार करें:

1. इक्विटी (समानता)

2. संधारणीयता

3. उत्पादकता

4. सशक्तीकरण

उपर्युक्त में से कौन सा/से मानव विकास के स्तंभ हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3, और 4

(c) केवल 1, 2 और 4

(d) 1, 2, 3, 4

उत्तर: (d)

व्याख्या

मानव विकास के चार स्तंभ:

• **समानता:** इसका तात्पर्य सभी के लिए उपलब्ध अवसरों तक समान पहुंच बनाना है। लोगों को उपलब्ध अवसर उनके लिंग, नस्ल, आय और भारतीय मामले में जाति के बावजूद समान होने चाहिए।

• **संधारणीयता:** इसका अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता। सतत मानव विकास के लिए प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिलने चाहिए। सभी पर्यावरणीय, वित्तीय और मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

• **उत्पादकता:** इसका अर्थ है मानव श्रम उत्पादकता या मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता। लोगों में क्षमताओं का निर्माण करके ऐसी उत्पादकता को लगातार समृद्ध किया जाना चाहिए। अंततः ये लोग ही हैं जो राष्ट्रों की वास्तविक संपत्ति हैं।

• **सशक्तीकरण:** इसका अर्थ है विकल्प चुनने की शक्ति प्राप्त करना। ऐसी शक्ति बढ़ती स्वतंत्रता और क्षमता से आती है। लोगों को सशक्त बनाने के लिए सुशासन और जनोन्मुखी नीतियों की आवश्यकता है। **अत: विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न 66. निम्नलिखित खनिजों पर विचार कीजिए:

1. बेंटोनाइट

2. क्रोमाइट

3. कायनाइट

4. सिलिमेनाइट

भारत में, उपर्युक्त में से किसे आधिकारिक तौर पर प्रमुख खनिजों के रूप में नामित किया गया है?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 4

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- बेंटोनाइट अवशोषक एल्यूमीनियम फ़ाइलोसिलिकेट मृदा है। इसका नाम फोर्ट बेंटन, व्योमिंग के नाम पर रखा गया है जहां इसके सबसे बड़े स्रोत पाए जाते हैं। इसका दूसरा नाम, मोंटमोरिलोनाइट मृदा, फ्रांस के मोंटमोरिलोनाइट नामक क्षेत्र में पहली बार पाया गया था।
- क्रोमाइट, कायनाइट और सिलिमेनाइट कुछ प्रमुख खनिज हैं। क्रोमाइट सामान्य रूप से लोहे और मैग्नीशियम से भरपूर आग्नेय चट्टानों में एक सहायक खनिज के रूप में पाया जाता है या उनसे प्राप्त अवसाद में निहित होता है। यह कुछ आग्नेय चट्टानों में परतों के रूप में होता है जो विशेष रूप से लौह और मैग्नीशियम से समृद्ध होते हैं।
- कायनाइट एक खनिज है जो मुख्य रूप से रूपांतरित चट्टानों में पाया जाता है। यह प्राय: अवसादी चट्टानों के रूपान्तरण के दौरान मिट्टी के खनिजों के उच्च दबाव परिवर्तन से बनता है।
- सिलिमेनाइट या तीन एल्युमिनोसिलिकेट पॉलीमॉर्फ में से एक है, अन्य दो एंडालुसाइट और कायनाइट हैं, **इसलिए विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न 67. सियाचिन ग्लेशियर स्थित है

(a) अक्साई चिन के पूर्व

(b) लेह के पूर्व में

(c) गिलगित के उत्तर में

(d) नुब्रा घाटी के उत्तर में

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सियाचिन ग्लेशियर, काराकोरम रेंज में स्थित गिरिपद ग्लेशियर है। यह सतत हिमाच्छादित हिमालय क्षेत्र में स्थित है जिसे "तीसरा ध्रुव" कहा जाता है, क्योंकि इस क्षेत्र के पर्वतीय ग्लेशियरों में ध्रुवीय बर्फ की चोटियों को छोड़कर पृथ्वी पर कहीं और पाए जाने वाले पानी की तुलना में अधिक ताज़ा पानी होता है।
- नुब्रा, जिसे डुमरा भी कहा जाता है, इसके तिब्बती नाम डुमरा का अर्थ है "फूलों की घाटी" सियाचिन ग्लेशियर घाटी के उत्तर में स्थित है। **इसलिए, विकल्प (d) सही है।**

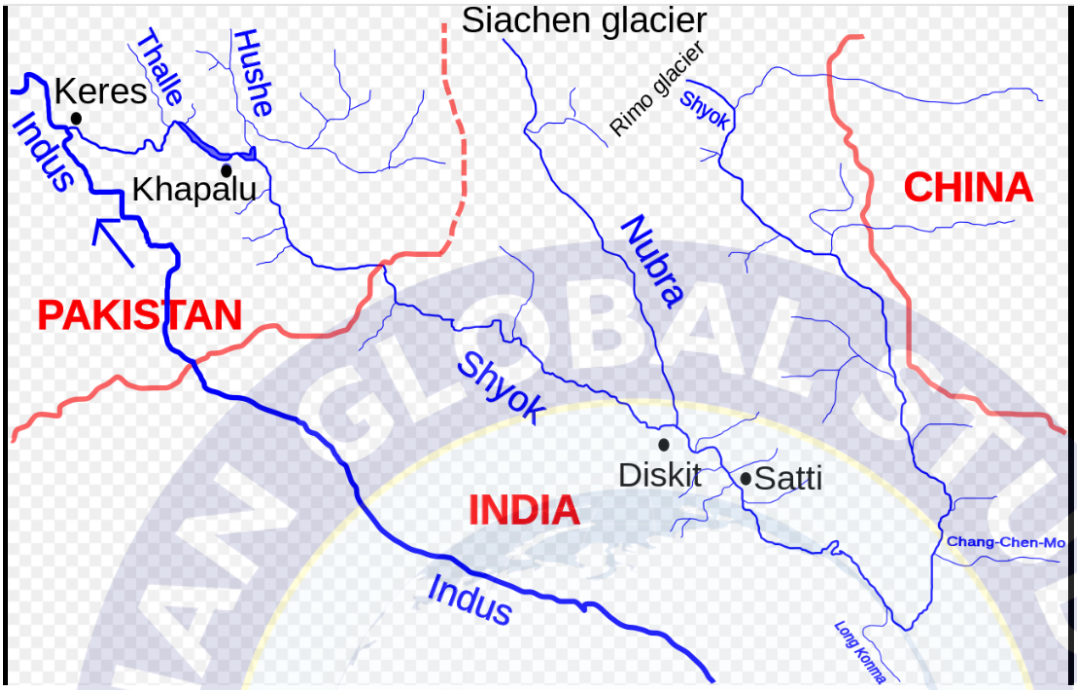

प्रश्न 68: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

नदी	**गिरती है**
1. मेकांग	अंडमान सागर
2. टेम्स	आयरिश सागर
3. वोल्गा	कैस्पियन सागर
4. ज़म्बेजी	हिंद महासागर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 3

(c) केवल 3 और 4

(d) केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **युग्म 1 गलत है:** मेकांग वियतनाम में मेकांग डेल्टा के माध्यम से दक्षिण चीन सागर में गिरती है।
- **युग्म 2 गलत है:** टेम्स ग्लॉस्टरशायर में केम्बले से एसेक्स में साउथेंड-ऑन-सी तक 360 किमी से अधिक तक बहती है, जहां यह उत्तरी सागर में गिरती है।

- **युग्म 3 सही है:** वोल्गा नदी यूरोप की सबसे लंबी नदी है और अपने डेल्टा के साथ रूस से होकर कजाकिस्तान सीमा के ठीक दक्षिण में कैस्पियन सागर में गिरती है।
- **युग्म 4 सही है:** ज़म्बेजी नदी मध्य अफ्रीकी पठार पर अपने स्रोत से लगभग 3,540 किलोमीटर तक पूर्व की ओर बहती है और हिंद महासागर में गिरती है।

प्रश्न 69. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कोयले की राख में आर्सेनिक, सीसा और पारा होता है।

2. कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्र पर्यावरण में सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन के ऑक्साइड छोड़ते हैं।

3. भारतीय कोयले में राख की मात्रा अधिक पाई जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** कोयले की राख में पारा, सीसा, कैडमियम और आर्सेनिक जैसे प्रदूषक होते हैं। ये प्रदूषक उचित प्रबंधन के बिना, जलमार्ग, भूजल, पेयजल और वायु को प्रदूषित कर सकते हैं।
- **कथन 2 सही है:** दुर्भाग्य से, कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्र पर्यावरण में सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन के ऑक्साइड जैसी कई हानिकारक गैसें छोड़ते हैं।
- **कथन 3 सही है:** भारत के घरेलू कोयला भंडार में राख की मात्रा अधिक है - 40 से 45 प्रतिशत।

प्रश्न 70. ऋतु-प्रवास (मौसमी स्थानांतरण) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह खानाबदोश का एक रूप है जिसमें लोग मैदानी क्षेत्र से पहाड़ों पर चरागाहों की ओर पलायन करते हैं।

2. गुज्जर, बकरवाल, गद्दी और भोटिया ऋतु प्रवासियों के कुछ उदाहरण हैं।

3. ये केवल हिमालय तक ही सीमित है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- चरागाहों की तलाश में आवाजाही या तो व्यापक क्षैतिज दूरी पर या पहाड़ी क्षेत्रों में एक ऊंचाई से दूसरी ऊंचाई तक लंबवत रूप से किया जाता है।
- **कथन 1 सही है:** ग्रीष्मकाल के दौरान मैदानी क्षेत्रों से पहाड़ों के चरागाहों की ओर और फिर सर्दियों के दौरान पर्वतीय चरागाहों से मैदानी क्षेत्रों की ओर प्रवास की प्रक्रिया को ऋतु प्रवास के रूप में जाना जाता है।
- **कथन 2 सही है:** हिमालय जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में, गुज्जर, बकरवाल, गद्दी और भोटिया गर्मियों में मैदानी इलाकों से पहाड़ों की ओर और सर्दियों में उच्च ऊंचाई वाले चरागाहों से मैदानी क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं।
- **कथन 3 गलत है:** इसी प्रकार, टुंड्रा क्षेत्रों में, खानाबदोश चरवाहे गर्मियों में दक्षिण से उत्तर और सर्दियों में उत्तर से दक्षिण की ओर चले जाते हैं।

प्रश्न 71. "ट्रक फार्मिंग" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?

1. वे क्षेत्र जहां किसान फल, वाणिज्यिक पशुपालन, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण में विशेष जानकारी रखते हैं।

2. बाज़ार से ट्रक फ़ार्म की दूरी उस दूरी से नियंत्रित होती है जो एक ट्रक रात भर में तय कर सकता है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है**: जिन क्षेत्रों में किसान केवल सब्जियों में विशेष जानकारी रखते हैं, उनकी खेती को ट्रक फार्मिंग के रूप में जाना जाता है। ट्रक फार्मिंग महानगरीय शहरों के परिधीय क्षेत्रों में की जाती है।
- यह सामान्य रूप से बाजार बागवानी की तुलना में कम गहन और विविध है। पहले इस प्रकार की खेती पूरी तरह से स्थानीय या क्षेत्रीय बाजारों पर निर्भर थी।
- **कथन 2 सही है:** बाज़ार से ट्रक फ़ार्म की दूरी उस दूरी से नियंत्रित होती है जो एक ट्रक रात भर में तय कर सकता है, इसलिए इसे ट्रक फ़ार्मिंग कहा जाता है।

प्रश्न 72. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

प्रकार	संबंधित
1.विटीकल्चर	अंगूर की खेती
2. पोमीकल्चर	पक्षियों का पालन
3. पिसीकल्चर	मछली का पालन

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **युग्म 1 सही है:** विटीकल्चर अंगूर की खेती और तुड़ाई है जो अंगूर के बाग में होने वाली घटनाओं की श्रृंखला से संबंधित है। जब अंगूर का उपयोग शराब बनाने के लिए किया जाता है, तो इसे वाइनकल्चर के रूप में जाना जाता है।
- **युग्म 2 गलत है:** पोमीकल्चर सेब उगाने की कला और विज्ञान है, एक ऐसा व्यवसाय जो प्राचीन ज्ञान और अत्याधुनिक कृषि विज्ञान दोनों को जोड़ता है।
- **युग्म 3 सही है:** पिसीकल्चर मछली पालने और उसे बेचने या उसके उत्पादों को घरेलू या व्यावसायिक उपयोग के लिए उपयोग करने की एक प्रक्रिया है। मछली को मीठे पानी या खारे पानी के वातावरण में पाला जा सकता है।

प्रश्न 73. "कोलखोज़ का मॉडल" निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) खनन

(b) सामूहिक खेती

(c) घरेलू उद्योग

(d) चौथी औद्योगिक क्रांति

उत्तर: (b)

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

व्याख्या:

- कोलखोज़ का मॉडल सामूहिक खेती से सम्बंधित है। कृषि के पिछले तरीकों की अक्षमता को सुधारने और आत्मनिर्भरता के लिए कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इसे तत्कालीन सोवियत संघ में पेश किया गया था।
- सामूहिक खेती के पीछे मूल सिद्धांत उत्पादन के साधनों और सामूहिक श्रम के सामाजिक स्वामित्व पर आधारित है।
- किसान अपने सभी संसाधनों जैसे भूमि, पशुधन और श्रम को एकत्रित करते थे। हालाँकि, उन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए फसल उगाने के लिए बहुत छोटे भूखंड रखने की अनुमति दी गई थी। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**

प्रश्न 74. "फ़ुटलूज़ उद्योगों" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये कच्चे माल पर अत्यधिक निर्भर होते हैं।

2. यह बड़े पैमाने पर आबादी को रोजगार दे सकता है।

3. ये सामान्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग नहीं हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है**: फ़ुटलूज़ उद्योग एक ऐसे उद्योग को संदर्भित करता है जो संसाधनों, भूमि, श्रम और पूंजी जैसे उत्पादन के कारकों के प्रभाव के बिना किसी भी स्थान पर स्थापित किया जा सकता है। वे किसी वजन कम करने वाले विशिष्ट कच्चे माल, पर निर्भर नहीं हैं।
- **कथन 2 गलत है:** इन उद्योगों के लिए स्थान महत्वपूर्ण प्राथमिकता नहीं हैं क्योंकि आवश्यक संसाधन कई स्थानों पर पाए जा सकते हैं, जिससे उन्हें स्थानांतरण का खतरा होता है। इसलिए, वे कम मात्रा में उत्पादन करते हैं और एक छोटी श्रम शक्ति भी नियोजित करते हैं।
- **कथन 3 सही है:** ये सामान्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग नहीं हैं। उनके स्थान का महत्वपूर्ण कारक सड़क नेटवर्क तक पहुंच है।

प्रश्न 75. निम्न पर विचार कीजिए:

1. एक से अधिक फसल में विशेषज्ञता

2. परिवहन की अच्छी व्यवस्था

3. बड़ा पूंजी निवेश

4. कृषि की वैज्ञानिक विधि

उपर्युक्त में से कौन-सी वृक्षारोपण कृषि की विशेषता हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वृक्षारोपण कृषि एक विशिष्ट फसल के लिए कृषि का क्षेत्र बनाने के लिए जंगल या भूमि को साफ करना है, जिसे बड़े पैमाने पर उगाया जाता है।
- इस प्रकार की गहन, व्यावसायिक कृषि पद्धति का स्वामित्व सामान्य रूप से एक ही कंपनी या सरकार के पास होता है, और यह मालिक बागान में काम करने के लिए मजदूरों को नियुक्त करता है।
- वृक्षारोपण कृषि की विशेषताएँ:
    - बड़ी संपदा या बागान
    - बड़ा पूंजी निवेश
    - प्रबंधकीय और तकनीकी सहायता
    - खेती के वैज्ञानिक तरीके
    - एकल फसल विशेषज्ञता
    - सस्ता श्रम
    - परिवहन की एक अच्छी व्यवस्था **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**

प्रश्न 76: सहारा रेगिस्तान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रेगिस्तान में हिमपात अनोखा नहीं है।

2. रेगिस्तान का अनुभव उच्चतम दैनिक तापमान भिन्नता में से एक है।

यह रेगिस्तान, उच्चतम दैनिक तापमान भिन्नता अनुभव करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: गर्म रेगिस्तान में हिमपात एक विरोधाभास लग सकता है लेकिन पिछले दशकों में सहारा रेगिस्तान में कई बार, और हाल ही में जनवरी 2022 में हिमपात दर्ज किया गया है, इस प्रकार, हिमपात असामान्य हो सकता है लेकिन इस क्षेत्र में अभूतपूर्व नहीं है।

कथन 2 सही है: बादल आवरण की कमी और बहुत कम आर्द्रता के कारण, रेगिस्तान में आमतौर पर दिन और रात के बीच दैनिक तापमान में उच्च अंतर होता है। औसत वार्षिक तापमान 30 डिग्री सेल्सियस है, जबकि अब तक का सबसे गर्म तापमान 58 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। कई लोगों के यह सोचने के बावजूद कि सहारा की जलवायु लगातार गर्म रहती है, नमी की कमी के कारण रात में तापमान नाटकीय रूप से गिर जाता है और -6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

प्रश्न 77: वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2021 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?

1. देश के जंगलों में कुल कार्बन भंडार बढ़ा।

2. आंध्र प्रदेश में वन क्षेत्र में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई।

3. रिपोर्ट में भारत के शेर संरक्षण क्षेत्र का एक नया अध्याय शामिल किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन - से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1,2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारत राज्य वन रिपोर्ट 2021' भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) द्वारा तैयार की गई है।
- **कथन 1 सही है:** देश के वनों में कुल कार्बन भंडार 7,204 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो 79.4 मिलियन की वृद्धि है।
- **कथन 2 सही है**: वन आवरण में अधिकतम वृद्धि आंध्र प्रदेश (647 वर्ग किमी) में देखी गई है, इसके बाद तेलंगाना (632 वर्ग किमी) और ओडिशा (537 वर्ग किमी) का स्थान है।
- **कथन 3 सही है:** वर्तमान ISFR 2021 में, भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) ने भारत के टाइगर रिजर्व, कॉरिडोर और शेर संरक्षण क्षेत्र में वन आवरण के आकलन से संबंधित एक नया अध्याय शामिल किया है।

प्रश्न 78: 'बैगा जनजाति' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?

1. ये पश्चिमी घाट में पाए जाने वाले नृजातीय समूह हैं।

2. जनजाति एक विशेष रूप से सुभेद्य जनजाति है।

3. जनजाति स्थानान्तरित कृषि करती है।

उपर्युक्त में से कौन - से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1,2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

• **कथन 1 गलत है:** बैगा आदिवासी समूह छत्तीसगढ़ में पाए जाते है। यह छत्तीसगढ़ में निवास स्थान पाने वाली दूसरी जनजाति बन गई है। बैगा विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (PVTG) एक नृजातीय समूह है जो मध्य भारत में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश और कम संख्या में आसपास के राज्यों छत्तीसगढ़ और झारखंड आदि में पाया जाता है।

• **कथन 2 सही है:** बैगा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एक विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (PVTG) है।

• **कथन 3 सही है:** बैगा जनजाति स्थानान्तरित कृषि करती है, जिसे 'बेवार' या 'दहिया' कहा जाता है।

प्रश्न 79: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत का रजिस्ट्रार जनरल मातृ मृत्यु अनुपात जारी करता है ।

2. 2018-20 में मातृ मृत्यु अनुपात घटकर 97 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया।

3. केरल में मातृ मृत्यु अनुपात सबसे कम है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

मातृ मृत्यु से तात्पर्य गर्भावस्था या प्रसव के दौरान जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों से है।

कथन 1 सही है: भारत के रजिस्ट्रार जनरल (RGI) द्वारा मातृ मृत्यु अनुपात (MMR) जारी किया जाता है।

कथन 2 सही है: मातृ मृत्यु अनुपात (MMR) 2014-16 में 130 से घटकर 2018-20 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 97 हो गया है।

कथन 3 सही है: 2018-2020 में गर्भावस्था के दौरान 19 मौतों के साथ केरल में मृत्यु दर सबसे कम थी, उसके बाद महाराष्ट्र (33), फिर तेलंगाना (43) और आंध्र प्रदेश (45), तमिलनाडु (54), झारखंड (56), गुजरात (57) और कर्नाटक (69) थे।

प्रश्न 80. निम्नलिखित में से कौन सा क्विनरी गतिविधियों (पंचम क्रियाकलाप) का हिस्सा नहीं है?

1. संचार

2. अनुसंधान एवं विकास आधारित

3. नीति निर्माता

4. कृषि

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पंचम क्रियाकलाप वे सेवाएँ हैं जो नवीन एवं वर्तमान विचारों की रचना, उनके पुनर्गठन और व्याख्या; आँकड़ों की व्याख्या और प्रयोग तथा नई प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन पर केंद्रित होती हैं।
- चूँकि सेवाएँ तृतीयक क्षेत्र का एक हिस्सा हैं, संचार इससे संबंधित है। परस्पर विचारों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया को संचार कहा जाता है। क्योंकि यह सभी प्रकार की सेवाओं से संबंधित है, तृतीयक क्षेत्र को कभी-कभी सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है।
- इसमें बौद्धिक गतिविधियाँ शामिल हैं। वित्तीय योजना, परामर्श, अनुसंधान और विकास, और अन्य संबंधित क्षेत्र चतुर्थक क्षेत्र के उदाहरण हैं।
- "सफेदपोश" के रूप में वर्गीकृत श्रमिकों की श्रेणी को अर्थव्यवस्था के क्विनरी क्षेत्र (पंचम क्रियाकलाप) के रूप में जाना जाता है। क्विनरी गतिविधियाँ वे हैं जो नीति निर्माताओं या निर्णय निर्माताओं द्वारा उच्चतम स्तर पर की जाती हैं।
- कृषि एक प्राथमिक गतिविधि है, जो हमारे द्वारा उपभोग किए जाने वाले अधिकांश भोजन का उत्पादन करती है। खाद्यान्न के अलावा यह विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल भी पैदा करता है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

प्रश्न81. निम्नलिखित में से कौन "पैकेट स्टेशन" शब्द की सबसे अच्छी व्याख्या करता है?

(a) ये बंदरगाह तेल के प्रसंस्करण और शिपिंग का काम करते हैं।

(b) ये संग्रह केंद्र हैं जहां निर्यात के लिए विभिन्न देशों से सामान लाया जाता है।

(c) इन्हें मूल रूप से मुख्य समुद्री मार्गों पर कॉलिंग पॉइंट के रूप में विकसित किया गया था जहां जहाज ईंधन भरने के लिए लंगर डालते थे।

(d) ये बंदरगाह विशेष रूप से छोटी दूरी तय करने वाले जलीय क्षेत्रों के पार यात्रियों और मेल के परिवहन से संबंधित हैं।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- इन्हें नौका बंदरगाह के रूप में भी जाना जाता है। ये पैकेट स्टेशन विशेष रूप से छोटी दूरी तय करने वाले जलीय क्षेत्रों के पार यात्रियों और मेल के परिवहन से संबंधित हैं।
- ये स्टेशन युग्म में इस तरह से स्थित होते हैं कि वे जलीय क्षेत्रों के पार एक-दूसरे सामने स्थित होते हैं, उदाहरण के लिए- इंग्लैंड में डोवर और इंग्लिश चैनल के पार फ्रांस में कैलिस स्टेशन स्थित है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न82. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हाल ही में वैज्ञानिकों ने कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर 72 किलोमीटर लंबी भ्रंश रेखा की खोज की।

2. भ्रंश ब्लॉकों को एक दूसरे के सापेक्ष गति करने की अनुमति नहीं देता है।

3. भ्रंश रेखा भूवैज्ञानिक भ्रंश और पृथ्वी की सतह के प्रतिच्छेदन द्वारा निर्धारित एक रेखा है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है**: कनाडा, अमेरिका और फ्रांस के संस्थानों से संबद्ध भूवैज्ञानिकों, खनिज विज्ञानियों और पृथ्वी और महासागर वैज्ञानिकों की एक टीम ने हाल ही में कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर 72 किलोमीटर की भ्रंश रेखा की खोज की है।
- **कथन 2 ग़लत है:** भ्रंश चट्टान के दो खंडों के बीच एक फ्रैक्चर या फ्रैक्चर का क्षेत्र है। भ्रंश ब्लॉकों को एक दूसरे के सापेक्ष स्थानांतरित होने की अनुमति देते हैं। यह हलचल तेजी से, भूकंप के रूप में हो सकती है- या धीमी गति से, रेंगने के रूप में हो सकती है। भ्रंश की लंबाई कुछ मिलीमीटर से लेकर हजारों किलोमीटर तक हो सकती है।
- **कथन 3 सही है:** भ्रंश रेखा एक भूवैज्ञानिक भ्रंश और पृथ्वी की सतह के प्रतिच्छेदन द्वारा निर्धारित एक रेखा है। भ्रंश रेखा पृथ्वी की सतह पर एक लम्बी दरार होती है। भूकंप सामान्य रूप से भ्रंश रेखा पर आते हैं।

प्रश्न 83. हाल ही में, भारत सरकार ने ग्रेट निकोबार द्वीप पर एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बनाने का निर्णय लिया है। भारत के लिए इसका सकारात्मक परिणाम क्या हो सकता था?

1. यह भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद कर सकता है।

2. यह लागत में कमी, व्यापार सुरक्षा में योगदान देगा।

3. यह एक साल के भीतर भारत को कर्ज मुक्त बना देगा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षाओं में ट्रांसशिपमेंट की महत्वपूर्ण भूमिका है। वह इन लक्ष्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट की रणनीतिक आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, लॉजिस्टिक्स को अनुकूलित करने और व्यापार के लिए लागत कम करने के महत्व पर जोर देते हैं।
- **कथन 2 सही है:** इस बंदरगाह से लागत में कमी, व्यापार सुरक्षा और कार्गो के बढ़े हुए कंटेनरीकरण में परिवर्तनकारी क्षमता है। कंटेनर जहाजों के बढ़ते आकार, बड़े जहाजों से परिवहन लागत में काफी कमी आ सकती है।
- **कथन 3 गलत है:** इस बंदरगाह से विदेशी मुद्रा बचत, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, अन्य भारतीय बंदरगाहों पर आर्थिक गतिविधि में वृद्धि जैसे अन्य लाभ होंगे जो भारत के ऋण को कम करने में मदद करेंगे लेकिन एक वर्ष के भीतर इसे खत्म नहीं करेंगे।

प्रश्न84. एक शब्द "अमेतरासु" हाल ही में खबरों में था, यह निम्नलिखित में से किससे संबंधित है:

(a) एक धूमकेतु

(b) एक क्षुद्रग्रह

(c) कॉस्मिक किरण

(d) एक एक्सोप्लैनेट

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वैज्ञानिकों ने हाल ही में तीन दशकों से अधिक समय में देखी गई सबसे शक्तिशाली ब्रह्मांडीय किरण का पता लगाया है, जिसे 'अमेतरासु' नाम दिया गया है। जापानी सूर्य देवी के नाम पर इसका नाम अमेतरासु रखा गया है।
- इसकी ऊर्जा 240 एक्सा-इलेक्ट्रॉन वोल्ट (EeV) से अधिक है। यह लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में उत्पन्न कणों से लाखों गुना अधिक है, जो अब तक का सबसे शक्तिशाली त्वरक है, और 95 मील प्रति घंटे की गति से यात्रा करने वाली गोल्फ बॉल की ऊर्जा के बराबर है।
- कॉस्मिक किरणें हिंसक खगोलीय घटनाओं की प्रतिध्वनि हैं जिन्होंने पदार्थ को उसकी उपपरमाण्विक संरचनाओं से अलग कर दिया है और इसे लगभग प्रकाश की गति से ब्रह्मांड में छोड़ दिया है।
- अनिवार्य रूप से, कॉस्मिक किरणें सकारात्मक प्रोटॉन, नकारात्मक इलेक्ट्रॉनों या संपूर्ण परमाणु नाभिक से युक्त ऊर्जा की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ आवेशित किए गए कण हैं जो अंतरिक्ष के माध्यम से यात्रा करते हैं और लगभग लगातार पृथ्वी पर गिरते रहते हैं। **इसलिए, विकल्प (c) सही है।**

प्रश्न85. रेडियो गैलेक्सी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये थर्मल उत्सर्जन द्वारा संचालित होते हैं।

2. वे ब्रह्मांड की अन्य आकाशगंगाओं की तुलना में बहुत बड़ी हैं।

3. प्रॉक्सिमा सेंटॉरी पहली रेडियो आकाशगंगा का नाम है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

• रेडियो आकाशगंगाएँ, जिन्हें रेडियो-चमकदार आकाशगंगाएँ या रेडियो-तीव्र ध्वनि आकाशगंगाएँ भी कहा जाता है, एक विशेष प्रकार की सक्रिय आकाशगंगाएँ हैं जो दृश्य तरंग दैर्ध्य की तुलना में रेडियो तरंग दैर्ध्य पर अधिक प्रकाश उत्सर्जित करती हैं।

• **कथन 1 गलत है:** रेडियो आकाशगंगाएँ गैर-तापीय उत्सर्जन द्वारा संचालित होती हैं। रेडियो दूरबीनों से पता चलता है कि कुछ रेडियो आकाशगंगाएँ, जिन्हें विस्तारित रेडियो आकाशगंगाएँ कहा जाता है, उनके नाभिक से लाखों प्रकाश वर्ष तक रेडियो उत्सर्जन होते रहते हैं।

• **कथन 2 सही है**: रेडियो आकाशगंगाएँ ब्रह्मांड की अन्य आकाशगंगाओं की तुलना में बहुत बड़ी हैं।

• **कथन 3 गलत है:** खोजी जाने वाली पहली रेडियो आकाशगंगा, और अब भी सबसे चमकीली, को सिग्नस कहा जाता है। सिग्नस में एक केंद्रित रेडियो स्रोत की खोज 1939 में ग्रोट रेबर ने की थी। 1946 में स्टेनली हे और उनके सहयोगी जेम्स फिलिप्स ने पहचान की कि स्रोत तीव्रता से जगमगा उठा, और इसलिए यह एक सघन वस्तु होनी चाहिए।

• प्रॉक्सिमा सेंटॉरी एक एक्सोप्लैनेट है जो लाल बौने तारे प्रॉक्सिमा सेंटॉरी के रहने योग्य क्षेत्र के भीतर परिक्रमा करता है, जो सूर्य का सबसे निकटतम तारा है और बड़े ट्रिपल स्टार सिस्टम अल्फा सेंटॉरी का हिस्सा है।

प्रश्न 86. निम्नलिखित ब्लू फ्लैग समुद्र तट को भारत के दक्षिण से उत्तर की ओर व्यवस्थित करें:

1. घोगला बीच

2. कप्पड़ बीच

3. कासरकोड बीच

4. रुशिकोंडा बीच

दिए गए कोड से सही उत्तर चुनें:

(a) 2-3-4-1

(b) 3-2-4-1

(c) 2-3-1-4

(d) 3-1-2-4

उत्तर: (a)

व्याख्या-

प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग समुद्र तटों, मरीना और टिकाऊ पर्यटन नौकाओं के लिए दुनिया के सबसे मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक पुरस्कारों में से एक है। ब्लू फ्लैग के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, कड़े पर्यावरण, शैक्षिक, सुरक्षा और पहुंच मानदंडों की एक श्रृंखला को पूरा किया जाना चाहिए और बनाए रखा जाना चाहिए।

गोल्डन समुद्रतट - ओडिशा।

शिवराजपुर समुद्रतट - गुजरात।

कप्पड़ समुद्रतट - केरल।

घोघला समुद्रतट – दीव |

राधानगर समुद्रतट - अंडमान और निकोबार।

कासरकोड समुद्रतट - कर्नाटक।

पदुबिद्री समुद्रतट - कर्नाटक।

रुशिकोंडा समुद्रतट - आंध्र प्रदेश।

ईडन समुद्रतट – पुडुचेरी |

कोवलम समुद्रतट – तमिलनाडु |

थुंडी समुद्रतट – लक्षद्वीप |

कदमत समुद्रतट – लक्षद्वीप |

अत: विकल्प (a) सही है।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

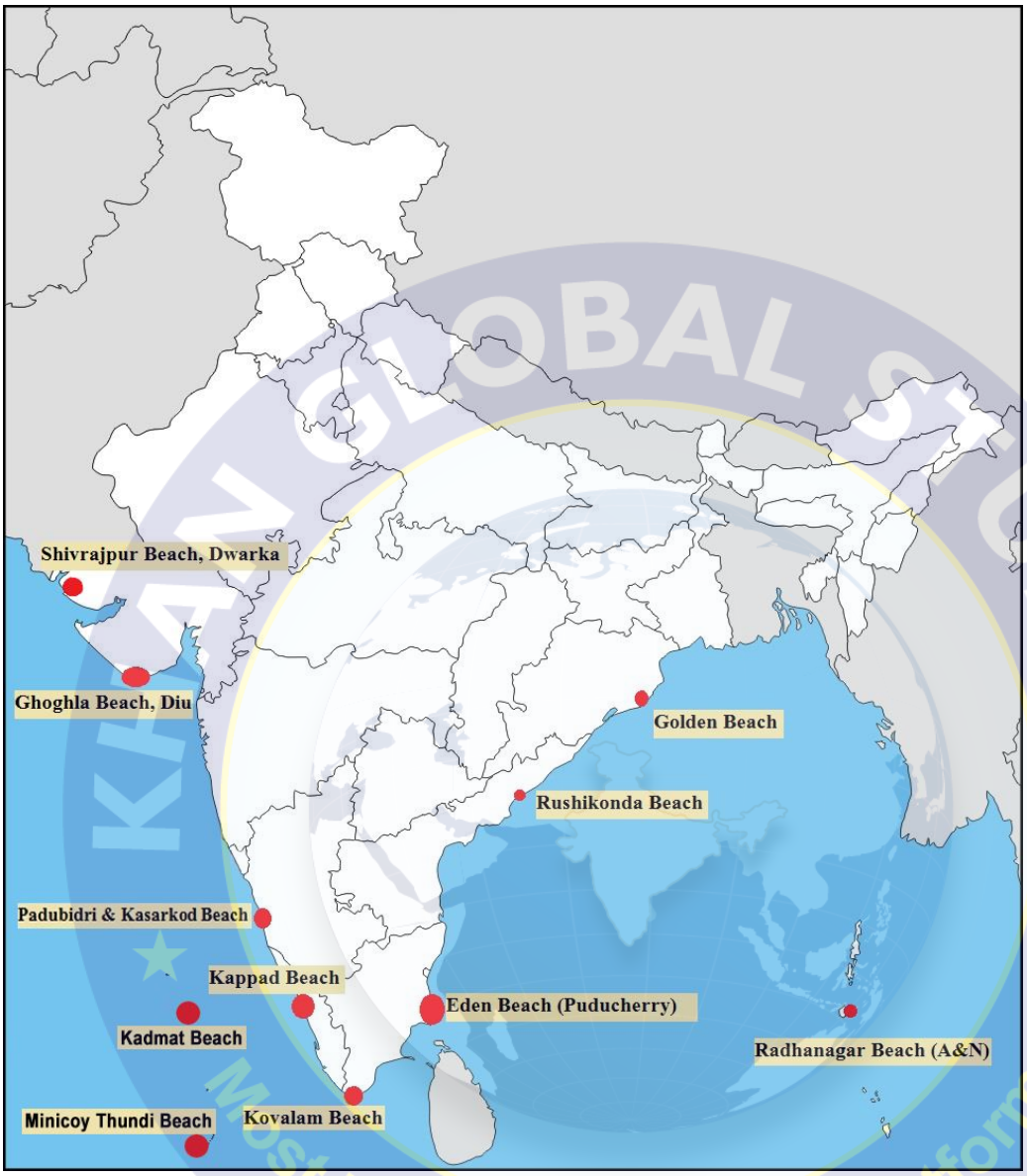

Q87. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रोबस्टा कॉफी में अरेबिका कॉफी की तुलना में दोगुना कैफीन होता है।

2. रोबस्टा कॉफ़ी की उत्पत्ति पश्चिमी अफ़्रीका में हुई |

3. कोलंबिया अरेबिका कॉफी का सबसे बड़ा उत्पादक है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) उपर्युक्त तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या-

• **कथन 1 सही है:** रोबस्टा कॉफ़ी बीन उप-सहारा अफ्रीका के मूल कॉफ़ी कैनेफ़ोरा पौधे से प्राप्त होती है | रोबस्टा कॉफ़ी में अरेबिका कॉफ़ी की तुलना में दोगुना कैफीन होता है।

• **कथन 2 सही है:** रोबस्टा कॉफी किस्म की उत्पत्ति मध्य और पश्चिम अफ्रीका में हुई थी। 19वीं सदी के अंत में, कांगो में रोबस्टा की खोज ने तराई क्षेत्रों में कॉफी की खेती उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया ।

• **कथन 3 ग़लत है:** ब्राज़ील दुनिया में अरेबिका कॉफ़ी का सबसे बड़ा उत्पादक है। यह व्यापक रूप से उगाई जाने वाली कॉफ़ी है और दुनिया के कुल कॉफ़ी उत्पादन का 90% हिस्सा है।

प्रश्न 88. शून्य बजट प्राकृतिक खेती के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. बीजामृत नई जड़ों को फंगस से बचाने में मदद करता है।

2. सुभाष पालेकर ने हरित क्रांति खेती में सिंचाई पर अत्यधिक निर्भरता का विरोध किया |

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या-

• पद्मश्री सुभाष पालेकर एक भारतीय कृषक हैं जिन्होंने शून्य बजट प्राकृतिक खेती (जेडबीएनएफ) के बारे में अभ्यास किया और कई किताबें लिखी हैं। यह खेती की एक ऐसी विधि है जहां पौधों को उगाने और काटने की लागत शून्य है। इसका मतलब यह है कि किसानों को फसलों की स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक और कीटनाशक खरीदने की ज़रूरत नहीं है।

• **कथन 1 सही है:** बीज, अंकुर या किसी भी रोपण सामग्री के लिए उपयोग किया जाने वाला उपचार, बीजामृत युवा जड़ों को कवक से बचाने में मदद करता है, साथ ही मिट्टी-जनित और बीज-जनित बीमारियों से भी बचाता है| जो आमतौर पर मानसून की अवधि के बाद पौधों को प्रभावित करते हैं।

• **कथन 2 सही है**: पालेकर इस आम धारणा का विरोध करते हैं कि पौधों की जड़ों को बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है। इस संबंध में, वह हरित क्रांति खेती में सिंचाई पर अत्यधिक निर्भरता का विरोध करते हैं।

उनका दृढ़ मत है कि जड़ों को जलवाष्प की आवश्यकता होती है। ऐसा वे कहते हैं क्योंकि व्हापासा वह स्थिति है जिसमें मिट्टी में हवा और पानी दोनों के अणु होते हैं। वह सिंचाई में कमी को प्रोत्साहित करते हैं और केवल दोपहर के दौरान इसके उपयोग पर जोर देते हैं।

• शून्य बजट प्राकृतिक खेती (ZBNF) के स्तंभ:

- जीवामृत
- बीजामृत
- आच्छादन (मल्चिंग)
- वाष्प (नमी)

प्रश्न 89. वधावन बंदरगाह निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?

(a) गुजरात

(b) गोवा

(c) आंध्र प्रदेश

(d) महाराष्ट्र

उत्तर: (d)

व्याख्या-

• वधावन बंदरगाह महाराष्ट्र के वधावन में प्रस्तावित 75,000 करोड़ रुपये की कंटेनर बंदरगाह परियोजना है।

• बंदरगाह को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा एक संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित किया जाएगा।

• नए बंदरगाह में तट के करीब लगभग 20 मीटर का प्राकृतिक ड्राफ्ट है | जिससे बड़े जहाजों को संभालना संभव हो जाता है।

• यह 16,000- 25,000 टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाइयां) क्षमता के कंटेनर जहाजों को कॉल करने में सक्षम करेगा, जिससे पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ मिलेगा और रसद लागत कम हो जाएगी।

• इसे लगभग 254 मिलियन टन (MT) कार्गो को संभालने के लिए निर्मित किया जाएगा।

• इसे ग्रीन पोर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। यह बंदरगाह पर आने वाले जहाजों को हरित ईंधन उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है और पर्यावरणीय मुद्दों को ध्यान में रखते हुए निर्माण और संचालन की योजना बनाई गई है।

• अत: विकल्प (d) सही है

प्रश्न 90. शब्द "तेज", "हामून" हाल ही में खबरों में थे, यह निम्नलिखित में से किससे संबंधित है:

(a) बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान

(b) जापान में भूकंप

(c) पृथ्वी के निकट वस्तु

(d) अपोलो समूह में एक कार्बनयुक्त क्षुद्रग्रह

उत्तर: (a)

व्याख्या-

• हाल की रिपोर्टों के अनुसार बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान "हामून" तेजी से गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है।

• चक्रवात हामून भारत के निकट बंगाल की खाड़ी के ऊपर उत्पन्न हुआ।

• **अत: विकल्प (a) सही है**

प्रश्न 91. "फाइटोमैग्मैटिक विस्फोट" के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है:

(a) एक प्रकार का ज्वालामुखी विस्फोट जहां लावा अपेक्षाकृत हल्के, निम्न स्तर के विस्फोट में ज्वालामुखी शीर्ष से बहता है।

(b) एक विस्फोट जिसमें मैग्मा और पानी दोनों शामिल होते हैं, जो आम तौर पर विस्फोटक रूप में निकलते है | जिससे भाप और पायरोक्लास्टिक टुकड़ों का समवर्ती निष्कासन होता है।

(c) एक विस्फोट जिसमें ज्वालामुखी के भीतर मध्यवर्ती चिपचिपा मैग्मा वेसिकुलेट गैसों से बचना मुश्किल बना देता है।

(d) एक ज्वालामुखी जिसमें लावा सदियों से लगभग लगातार फूट रहा है।

उत्तर: (b)

व्याख्या-

• एक विस्फोट जिसमें मैग्मा और पानी दोनों शामिल होते हैं, जो आम तौर पर विस्फोटक रूप से परस्पर क्रिया करते हैं | जिससे भाप और पायरोक्लास्टिक टुकड़ों का समवर्ती निष्कासन होता है।

• फ्रीटोमैग्मैटिक राख बुनियादी और अम्लीय रचनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर एक ही तंत्र द्वारा बनाई जाती है।

• ऐसा माना जाता है कि फाइटोमैग्मैटिक विस्फोटों से प्राप्त निक्षेप मैग्मैटिक विस्फोटों की तुलना में बेहतर वर्गीकृत और महीन दाने वाले होते हैं।

• यह फाइटोमैग्मैटिक विस्फोटों के उच्च विखंडन का परिणाम है। अत: विकल्प (b) सही है।

प्रश्न 92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :-

1. इस मिट्टी को 'रेगुर मिट्टी' के नाम से भी जाना जाता है।

2. गीले होने पर यह फूल जाती हैं और चिपचिपे हो जाती हैं और सूखने पर सिकुड़ जाते हैं।

3. यह मिट्टी बहुत लम्बे समय तक नमी बनाये रखने में सक्षम होती है।

उपर्युक्त कथनों में निम्नलिखित में से किस मिट्टी की चर्चा की गई है?

(a) लेटराइट मिट्टी

(b) काली मिट्टी

(c) शुष्क मिट्टी

(d) पीटयुक्त मिट्टी

उत्तर: (b)

व्याख्या-

• काली मिट्टी दक्कन के अधिकांश पठार को आच्छादित करती है जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्से शामिल हैं।

• इन मिट्टी को 'रेगुर मिट्टी' या 'काली कपास मिट्टी' के नाम से भी जाना जाता है। काली मिट्टी आम तौर पर चिकनी, गहरी और अभेद्य होती है। गीले होने पर वे फूल जाते हैं और चिपचिपे हो जाते हैं और सूखने पर सिकुड़ जाते हैं।

• शुष्क मौसम के दौरान, इन मिट्टी में चौड़ी दरारें विकसित हो जाती हैं। इस प्रकार, एक प्रकार की 'स्वयं जुताई' होती है। धीमी गति से अवशोषण और नमी की हानि के इस चरित्र के कारण, काली मिट्टी बहुत लंबे समय तक नमी बरकरार रखती है, जो फसलों को, विशेष रूप से वर्षा आधारित फसलों को, शुष्क मौसम के दौरान भी टिके रहने में मदद करती है।

• अत: विकल्प (b) सही है।

प्रश्न 93. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. लैटेराइट मृदा का विकास कम तापमान और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में होता है।

2. लैटेराइट मृदा खाद और उर्वरकों के प्रयोग के बिना भी खेती के लिए उपयुक्त होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या-

• लेटराइट लैटिन शब्द 'लेटर' से लिया गया है जिसका अर्थ ईंट होता है।

• **कथन 1 गलत है:** लेटराइट मिट्टी उच्च तापमान और उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित होती है। ये उष्णकटिबंधीय वर्षा के कारण तीव्र निक्षालन का परिणाम हैं। बारिश के साथ चूना और सिलिका बह जाते हैं और लौह ऑक्साइड और एल्यूमीनियम यौगिक से समृद्ध मिट्टी अवशेष के रूप में शेष रह जाती है।

• **कथन 2 गलत है:** इन मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ, नाइट्रोजन, फॉस्फेट और कैल्शियम की कमी होती है जबकि आयरन ऑक्साइड और पोटाश अधिक मात्रा में होते हैं। इसलिए लेटराइट मिट्टी कृषि के लिए उपयुक्त नहीं हैं |हालाँकि कृषि के लिए मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए खाद और उर्वरकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है |

प्रश्न 94. भारत की काली कपास मिट्टी का निर्माण किसके अपक्षय के कारण हुआ है?

(a) भूरी वन मिट्टी

(b) विदर ज्वालामुखीय चट्टान

(c) ग्रेनाइट और शिस्ट

(d) शेल और चूना पत्थर

उत्तर: (b)

व्याख्या-

• काली मिट्टी का निर्माण अधिकतर स्रोत चट्टान संरचना और आसपास की जलवायु पर निर्भर करता है। इन मिट्टी को 'रेगुर मिट्टी' या 'काली कपास मिट्टी' के नाम से भी जाना जाता है।

• लावा प्रवाह, या विखंडित ज्वालामुखीय चट्टान में काली मिट्टी शामिल है | जो डेक्कन ट्रैप (बेसाल्ट) क्षेत्र की विशेषता है जो उत्तर पश्चिमी डेक्कन पठार में फैली हुई है।

• दक्कन के पठार में गुजरात, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु का एक हिस्सा शामिल है। गोदावरी और कृष्णा नदियों के ऊंचे हिस्से, साथ ही तमिलनाडु, उत्तरी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश के क्षेत्र काली मिट्टी से ढके हुए हैं।

• **अत: विकल्प (b) सही है।**

प्रश्न95. 'चांग्पा' समुदाय के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये मुख्यतः उत्तराखंड राज्य में रहते हैं।

2. ये पश्मीना बकरियों को पालते हैं, इनसे बेहतर गुणवता का ऊन प्राप्त होता हैं।

3. इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में रखा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या-

• **कथन 1 ग़लत है:** चांग्पा या चंपा एक अर्ध-खानाबदोश तिब्बती लोग हैं जो मुख्य रूप से भारत के लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र में पाए जाते हैं। इनकी एक छोटी आबादी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के पश्चिमी क्षेत्रों में रहती है और चांगतांग नेचर रिजर्व की स्थापना के लिए उन्हें आंशिक रूप से स्थानांतरित किया गया था।

• **कथन 2 सही है:** वे चांगथांगी (पशमीना) बकरियां पालते हैं और जो कि प्रामाणिक कश्मीरी ऊन के कुछ आपूर्तिकर्ताओं में से हैं।

कथन 3 सही है: 2001 में भारत सरकार के सकारात्मक कार्रवाई के आरक्षण कार्यक्रम के तहत चांगपा को अनुसूचित जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

प्रश्न 96. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है।

2. गुजरात भारत का सबसे बड़ा मछली उत्पादक राज्य है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने गलत हैं/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या-

• **कथन 1 सही है:** भारत चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि देश है। भारत में नीली क्रांति ने मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र के महत्व को प्रदर्शित किया। इस क्षेत्र को

एक उभरता हुआ क्षेत्र माना जाता है और यह निकट भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

• **कथन 2 गलत है:** सबसे बड़ा मछली उत्पादन वाले राज्य आंध्र प्रदेश (29.47%) है, इसके बाद पश्चिम बंगाल, गुजरात (6.06%), ओडिशा (5.78%), और तमिलनाडु (5.34%) हैं।

प्रश्न97. निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार करें:

समाचार में ज्वालामुखी	देश
1. क्लाईचेव्स्काया	रूस
2. माउंट वेसुवियस	इटली
3. माउंट सेमेरू	इंडोनेशिया

उपर्युक्त युग्मो में से कितने युग्म सही हैं/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या-

• **जोड़ी 1 सही है:** क्लाईचेव्स्काया एक स्ट्रैटोवोलकानो है, जो साइबेरिया, रूस का सबसे ऊंचा पर्वत है।

• **जोड़ी 2 सही है:** माउंट वेसुवियस एक सोमा-स्ट्रेटो ज्वालामुखी है जो इटली के कैम्पानिया में नेपल्स की खाड़ी पर स्थित है।

• **जोड़ी 3 सही है:** यह इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर सबसे ऊँचा पर्वत है। "सेमेरु" नाम हिंदू धर्म के मध्य विश्व पर्वत मेरु या देवताओं के निवास स्थान सुमेरु से लिया गया है।

प्रश्न 98. निम्नलिखित राज्यों पर विचार करें:

1. अरुणाचल प्रदेश

2. हिमाचल प्रदेश

3. मिजोरम

उपरोक्त में से किस राज्य में 'उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वन' पाए जाते हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या-

• उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वन आमतौर पर 200 सेमी से अधिक वर्षा और 15 से 30 डिग्री सेल्सियस के तापमान वाले स्थानों पर पाए जाते हैं।

• उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार वन अधिकतर भूमध्य रेखा के निकट स्थित हैं। उनके बीच में बहुत कम झाड़ियाँ हैं और बीच में साफ़ जगह है।

• उनके पास बहुत अधिक कूड़ा-कचरा नहीं है। ये घने, बहुस्तरीय वन क्षेत्र हैं।

• यह पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढलानों, लक्षद्वीप के द्वीपों, अंडमान और निकोबार, पूर्वोत्तर भारत और तमिलनाडु तट के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।

• जिन राज्यों में इन वनों की मुख्य रूप से पहचान की जाती है वे हैं असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, महाराष्ट्र।

• **अत: विकल्प (c) सही है।**

प्रश्न 99. भारत के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में मैंग्रोव वन, सदाबहार वन और पर्णपाती वन का संयोजन है?

(a) उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश

(b) दक्षिण-पश्चिम बंगाल

(c) दक्षिणी सौराष्ट्र

(d) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

उत्तर: (d)

व्याख्या-

• भारत का वह क्षेत्र जिसमें मैंग्रोव वन, सदाबहार वन और पर्णपाती वन का संयोजन है, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह है।

• मैंग्रोव पेड़ों और झाड़ियों का एक समूह है जो तटीय अंतर्ज्वारीय क्षेत्र में रहते हैं। लोक्साहाची, फ़्लोरिडा में मैंग्रोव वन। मैंग्रोव पेड़ों की लगभग 80 विभिन्न प्रजातियाँ हैं। ये सभी वृक्ष कम ऑक्सीजन वाली मिट्टी वाले क्षेत्रों में उगते हैं, जहां धीमी गति से बहने वाला पानी बारीक तलछट जमा होने देता है।

• उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन गर्म और आर्द्र क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहां वार्षिक वर्षा 200 सेमी से अधिक होती है और औसत वार्षिक तापमान 22 डिग्री सेल्सियस से ऊपर होता है। उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन अच्छी तरह से

स्तरीकृत होते हैं | जिनकी परतें जमीन के करीब होती हैं और झाड़ियों और लताओं से ढंके होते हैं | जिनमें छोटी संरचना वाले पेड़ होते हैं और इसके बाद विभिन्न प्रकार के ऊंचे पेड़ होते हैं।

• उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन भारत में सबसे व्यापक वन हैं। इन्हें मानसूनी वन भी कहा जाता है। वे उन क्षेत्रों में फैले हुए हैं जहां 70-200 सेमी के बीच वर्षा होती है

• अत: विकल्प D. सही है।

Q100. भारत में, निम्नलिखित में से किस प्रकार के वनों में सागौन की प्रमुख वृक्ष प्रजातियाँ पाई जाती हैं?

(a) उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन

(b) उष्णकटिबंधीय वर्षा वन

(c) उष्णकटिबंधीय कांटेदार झाड़ियाँ वन

(d) घास के मैदानों के साथ शीतोष्ण वन

उत्तर: (a)

व्याख्या-

• उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन भारत में सबसे व्यापक वन हैं। इन्हें मानसूनी वन भी कहा जाता है। वे उन क्षेत्रों में फैले हुए हैं जहां 70-200 सेमी के बीच वर्षा होती है। जल की उपलब्धता के आधार पर इन वनों को नम और शुष्क पर्णपाती में विभाजित किया गया है।

• नम पर्णपाती वन उन क्षेत्रों में अधिक पाए जाते हैं जहां 100-200 सेमी के बीच वर्षा दर्ज की जाती है।

• ये वन पूर्वोत्तर राज्यों में हिमालय की तलहटी, पश्चिमी घाट के पूर्वी ढलानों और ओडिशा में पाए जाते हैं। सागौन, साल, शीशम, हुर्रा, महुआ, आंवला, सेमुल, कुसुम और चंदन आदि इन वनों की प्रमुख प्रजातियाँ हैं।

• अत: विकल्प (a) सही है।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR